मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 262
रविवार, 13 अप्रैल 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

शिवाजी महाराज महाराष्ट्र तक सीमित नहीं, उनकी एकता की विरासत देश के लिए प्रेरणाः अमित शाह

रायगढ़, 12 अप्रैल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को मराठा योद्धा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज की 345वीं पुण्यतिथि के अवसर पर रायगढ़ किले में जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी यह यात्रा शिवाजी महाराज की समाधि के जीर्णोद्धार के शताब्दी समारोह के अवसर पर भी हुई। शाह के साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार के अलावा भाजपा नेता और शिवाजी के वंशज उदयनराजे भोसले भी थे। छत्रपति शिवाजी महाराज का अप्रैल 1680 में स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के कारण रायगढ़ किले में निधन हो गया था।शाह ने कहा कि न किस्मत उनके साथ थी, न अतीत उनके साथ था, न धन था, न सेना थी। एक बालक ने अपने अदम्य साहस और दृढ़ निश्चय से पूरे देश को स्वराज का मंत्र दिया। देखते ही देखते उसने 200 साल पुरानी मुगल हुकूमत को चकनाचूर कर दिया और देश को आजाद करा दिया। उन्होंने कहा कि आज आजादी के 75 साल बाद हम दुनिया के सामने सिर ऊंचा करके खड़े हैं। हमारा संकल्प है कि जब आजादी के 100 साल पूरे होंगे, तब हमारा भारत दुनिया में नंबर 1 होगा, शिवाजी ने अपना मूल सपना रखा था। शाह ने दावा

किया कि शिवाजी महाराज की विरासत सिर्फ महाराष्ट्र तक सीमित नहीं है, बल्कि देश और दुनिया को उनके आदर्शों की जरूरत है।

शाह का यह दौरा राज्य में बढ़ते राजनीतिक तनाव की पृष्ठभूमि में हो रहा है, जिसमें औरंगजेब और शिवाजी महाराज जैसे ऐतिहासिक व्यक्तियों की विरासत को लेकर बहस तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्री रायगढ़ और नासिक जिलों के लिए संरक्षक मंत्रियों की विवादास्पद नियुक्ति के संबंध में महायुति गठबंधन के नेताओं के साथ महत्वपूर्ण चर्चा करेंगे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने पुष्टि की कि शाह राज्य एनसीपी अध्यक्ष सुनील तटकरे से दोपहर के भोजन के लिए अपने आवास पर मुलाकात करेंगे, उनके साथ सीएम फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी होंगे। पवार ने संवाददाताओं से कहा, ₹बैठक के दौरान रायगढ़ और नासिक के लिए संरक्षक मंत्री का मुद्दा उठने की उम्मीद है।

शिरोमणि अकाली दल के फिर से अध्यक्ष चुने गए सुखबीर सिंह बादल, सर्वसम्मति से हुआ फैसला

पंजाब, 12 अप्रैल। सुखबीर सिंह बादल को शनिवार को आयोजित पार्टी की चुनावी बैठक के दौरान शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के अध्यक्ष के रूप में फिर से चुना गया है। यह बादल के लिए एक और कार्यकाल है, जो पार्टी के वर्तमान कार्यकारी अध्यक्ष बलविंदर सिंह भुंदर की जगह लेंगे। शिरोमणि अकाली दल ने '' पर पोस्ट किया कि पंजाब के विकास पुरुष सुखबीर सिंह बादल को शिरोमणि अकाली दल का अध्यक्ष बनने पर बधाई। सुखबीर सिंह बादल पंथ और पंजाब के अधिकारों की दृढ़ता से रक्षा करें और पंजाब को फिर से समृद्ध बनाएं।

चुनाव सत्र श्री दरबार साहिब परिसर के अंदर तेजा सिंह समुंदरी हॉल में हुआ।इस अवसर

पर उपस्थित लोगों में बादल की पत्नी, बठिंडा की सांसद हरसिमरत कौर बादल, पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया, दलजीत सिंह चीमा और वरिष्ठ नेता महेश इंदर सिंह ग्रेवाल शामिल थे। 16 नवंबर, 2024 को, अकाल तख्त द्वारा 'तनखैया' (धार्मिक कदाचार का दोषी) घोषित किए जाने के बाद, बादल ने पार्टी अध्यक्ष के रूप में अपने पद से इस्तीफा दे दिया, क्योंकि 2007 से 2017 तक शिअद और उसकी सरकार द्वारा की गई गलतियाँ थीं। जनवरी में पार्टी की कार्यसमिति ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया। इसके बाद, शिअद ने एक नया सदस्यता अभियान शुरू किया। पार्टी और सिख समुदाय के भीतर विद्रोहियों द्वारा इस कदम को अकाल तख्त के निदेशों का उल्लंघन बताया गया। इसके बावजूद बादल गुट ने अपना सदस्यता अभियान जारी रखा और अपने प्रतिनिधियों का चुनाव किया। गौरतलब है कि कांग्रेस के गुरदासपुर से सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने भारत के चुनाव आयोग को पत्र लिखकर अकाली दल को अपनी चुनाव प्रक्रिया स्थगित करने का निर्देश देने का आग्रह किया था। उन्होंने आरोप लगाया है कि सदस्यता डेटा में पारदर्शिता की कमी और पार्टी के भीतर संघर्ष है।

उच्चतम न्यायालय ईवीएम-हैकिंग मुद्दे पर संज्ञान ले कर जांच कराएः सुरजेवाला

नई दिल्ली, 12 अप्रैल। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की हैकिंग पर अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड के बयान के बाद शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग की चुप्पी पर सवाल उठाया और कहा कि उच्चतम न्यायालय को इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेकर जांच कराना चाहिए।

उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में यह भी कहा कि गबार्ड ने सार्वजनिक रूप से ईवीएम की हैकिंग और उनकी कमजोरियों को उठाया है। सुरजेवाला ने कहा, वास्तव में उन्होंने कहा कि चुनाव के नतीजों में हेराफेरी के

लिए ईवीएम का दुरुपयोग किया जा सकता है।

सवाल यह है कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयोग चुप क्यों हैं? सुश्री तुलसी गबार्ड ने जो कहा, उसे नकारने के लिए आयोग सूत्र आधारित कहानियां क्यों गढ़ रहा है?

प्रधानमंत्री, राजग सरकार और भाजपा चुप क्यों हैं? सुरजेवाला ने यह भी कहा कि निर्वाचन आयोग और केंद्र को ईवीएम की हैकिंग और अन्य कमजोरियों के सभी विवरण हासिल करने के लिए अमेरिकी सरकार और गबार्ड से संपर्क करना चाहिए।

उनका कहना था, क्या भारत के उच्चतम न्यायालय को इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान नहीं लेना चाहिए और यह मानते हुए गहन जांच नहीं करानी चाहिए कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव और लोकतंत्र संविधान की बुनियादी संरचना का हिस्सा हैं? इस बीच निर्वाचन आयोग के सूत्रों ने शुक्रवार को उन बातों को खारिज कर दिया कि भारत में उपयोग की जाने वाली ईवीएम के हैक होने की कोई गुंजाइश है। उन्होंने कहा कि मशीनें साधारण कैलकुलेटर की तरह काम करती हैं, जो इंटरनेट या इंफ्रारेड से जुड़ी नहीं हैं।

मुर्शिदाबाद में 2 लोगों की हत्या, बीजेपी ने ममता सरकार पर लगाया बड़ा आरोप

मुर्शिदाबाद, 12 अप्रैल। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के समसेरगंज में वक्फ से संबंधित हिंसा में दो लोगों की मौत हो गई है। हिंसा प्रभावित शमशेरगंज क्षेत्र में जाफराबाद स्थित एक घर में पिता और पुत्र के शव बरामद किए गए जिनके शरीर पर चाकू से वार के निशान थे। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ अधिनियम को लेकर विरोध प्रदर्शन के बाद भड़की हिंसक झड़पों के कारण तनाव की स्थिति बनी हुई है। विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा उन पर आंदोलन को लेकर निष्क्रियता का आरोप लगाने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा है कि राज्य में यह कानून लागू नहीं किया जाएगा।

भाजपा नेता दिलीप घोष ने

आरोप लगाया कि मुर्शिदाबाद जिले को पश्चिम बंगाल से अलग करने की साजिश चल रही है। हिंदू इलाकों में आगजनी और तोड़फोड़ हो रही है। हिंदुओं की हत्या की गई है, फिर भी डीजीपी कहते हैं कि कुछ नहीं हुआ। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि सभी संवैधानिक प्रक्रियाओं को व्यवस्थित तरीके से पूरा करने के बाद वक्फ बिल संसद में आया और फिर जेपीसी के पास गया। जेपीसी ने इस पर विस्तार से चर्चा की, फिर दोनों सदनों ने इसे पारित किया और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद यह कानून बन गया। लेकिन फिर भी कुछ लोग इसमें राजनीति करने की कोशिश कर रहे हैं।

त्रिवेदी ने कहा कि यह दुखद है कि ऐसा सिर्फ पश्चिम बंगाल में ही क्यों हो रहा है, यह अपने आप में सवाल खड़ा करता है कि ममता बनर्जी की राजनीति भविष्य में पूरे भारत के लिए चुनौती बनने की ओर बढ़ती दिख रही है। पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने शनिवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुर्शिदाबाद जिले के अशांत इलाकों में कानून के शासन को सख्ती से लागू करने का आह्वान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता शासन शमशेरगंज, सुती और जंगीपुर में ह्यह्यहिंदुओं पर हमलेह्नह्न के बावजूद आंखें मूंदे बैठा है। मजूमदार ने संवाददाताओं से कहा कि राज्य में भाजपा की सत्ता आने प रअल्पसंख्यकों के एक वर्ग द्वारा की जाने वाली इस तरह की बर्बरता और गुंडागर्दी को पांच मिनट में रोक दिया जाएगा और कुचल दिया जाएगा।

पश्चिम बंगाल के मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के विरोध में प्रदर्शन के दौरान भड़की हिंसा के सिलसिले में 110 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। नए कानून को लेकर शुक्रवार को मालदा, मुर्शिदाबाद, दक्षिण 24 परगना और हुगली जिलों में हिंसा भड़क गई थी और पुलिस वैन सहित कई वाहनों में आग लगा दी गई, सुरक्षा बलों पर पथराव किया गया और सड़कें अवरूद्ध कर दी गईं। पुलिस ने बताया कि इन सभी जिलों में छापेमारी की जा रही है और मुर्शिदाबाद में 110 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

निजी स्कूलों की फीस बढ़ोतरी पर भड़के केजरीवाल

नई दिल्ली, 12 अप्रैल। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि हाल ही में कई निजी स्कूलों में कथित फीस वृद्धि के बाद राष्ट्रीय राजधानी में शिक्षा प्रणाली पूरी तरह से भाजपा सरकार के तहत माफियाओं के चंगुल में फंस गई है। हाल ही में फीस वृद्धि को लेकर स्कूलों में हो रहे विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ₹दिल्ली के लोग फिर से पूरी तरह शिक्षा माफिया की जकड़ में है। शिक्षा माफिया की इतनी हिम्मत कैसे हो गई कि हमारे बच्चों के साथ बदसलूकी करें? क्योंकि नेता और मंत्री इनकी जेब में हैं, जैसे हमारी सरकार के पहले होते थे।

इस बीच, आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी के मंत्रियों को दिल्ली में हो रहे हालात का कोई अंदाजा नहीं है। उन्होंने कहा, अभिभावक निजी स्कूलों के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं और भाजपा के मंत्री 'सरकारी स्कूल-सरकारी स्कूल' का खेल खेलने में व्यस्त हैं। उन्हें समस्या वाली जगह जाकर उसका समाधान करना चाहिए। लेकिन वे निजी स्कूल मालिकों से डरे हुए हैं। सौरभ भारद्वाज ने आगे कहा कि भाजपा सरकार जनता के गुस्से के प्रति असंवेदनशील है।

इससे पहले दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने सोमवार को कहा कि मनमाने ढंग से शुल्क (फीस) बढ़ाने वाले निजी विद्यालयों के खिलाफ सरकार सख्त कार्रवाई करेगी। सूद ने पिछली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर अपने कार्यकाल के दौरान कुछ विद्यालयों द्वारा फीस बढ़ाने के मामले पर आंखें मूंदकर बैठे रहने का आरोप लगाया। मंत्री ने कहा कि ऐसे विद्यालयों की सूची तैयार की गई है और प्रत्येक का निरीक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि निष्कर्षों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सूद ने संवाददाताओं से कहा, दिल्ली के 1,677 निजी विद्यालयों में से 335 सरकारी जमीन पर संचालित हैं और वे दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम 1973 के तहत आते हैं। इसलिए फीस बढ़ाने के लिए सरकार की मंजूरी की आवश्यकता है, केवल 114 स्कूल इस शर्त से मुक्त हैं।

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर

ARUNODAYA Surgical & Trauma Center

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)

वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग

गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा. अरुण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist STAR
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

सपा सांसद रामजी लाल सुमन ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय से सुरक्षा मांगी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन ने संसद में राजपूत राजा राणा सांगा पर टिप्पणी के बाद आगरा में उनके घर पर हुए हमले को देखते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय का रुख किया और अदालत से सुरक्षा का प्रदान करने का अनुरोध किया।याचिका में सांसद ने आगरा में अपने मकान पर करणी सेना संगठन द्वारा कथित हमले की निष्पक्ष जांच कराने और इस हमले में शामिल करणी सेना के सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई का भी अनुरोध किया है। इस याचिका पर जल्द सुनवाई किए जाने की संभावना है। विवाद उस समय शुरू हुआ जब रामजी लाल सुमन ने 21 मार्च को संसद में दिए एक बयान में कहा कि राणा सांगा ने इब्राहिम लोदी को हराने के लिए बाबर को भारत आमंत्रित किया।

जरूरतमंद सीनियर सिटिजन के बेहतर देख-भाल हेतु समर्पित संस्था

YASHOJYOTI FOUNDATION'S
(MAHA/1211/2013/THANE)

ज्योति ओल्ड एज होम
JYOTI OLD AGE HOME

Dr. Jyoti MD (AM)

WE SERVICE FOR HUMANITY

Home For Aged, Senior Citizans, Pentioners Paralysis,

• Diabetic, Bed Ridden Patients.,• Paralysis, Alzheimer's dementia, post operative, palliative care schizophrenia, Treatement if needed., • Food Will Be Served Breakfast Lunch, Supple Dinner. (Veg & Non Veg), • Entertainment: Tv, Tape, News Paper, Indoor Games, Ample Place For Walking, Yoga., • 24x7 Ward Boy, Aaya, Atendant To Take Care., • Doctor's visit every day., • Specialist (Psyciaric, Dentist, Cardiologyst, physcian) visit on c, • Ambulance service on call., •

CONTACT NO.- 9820674896/9664682587

Padmakar Mhatre Hospital, Opp. Kakad Paradise, Penkar Pada, Mira Road (E), Thane - 401 107.

तमिलनाडु में अगले चरण में भाषा विवाद

तमिलनाडु में हिंदी विरोध 1935 में डीएमके के वैचारिक उभार के साथ ही शुरू हुआ। तब भी यह सोच राष्ट्रीय युगबोध से अलग थी। तमिलनाडु में पहले क्रांतिकारी सोच के नाम पर ब्राह्मण विरोध की शुरुआत हुई, जिसका अगला कदम हिंदी विरोध रहा।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन की ओर से उठाए गए भाषा विवाद की गेंद को प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीतिक समझदारी के साथ उनके ही पाले में डाल दी है। तमिलनाडु की हालिया यात्रा में उन्होंने कह दिया कि तमिल राजनेता अपना हस्ताक्षर अंग्रेजी की बजाय तमिल में क्यों नहीं करते। लगे हाथों उन्होंने यहां तक कह दिया कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन को मेडिकल की पढ़ाई तमिल में करानी चाहिए। तमिलनाडु में हिंदी को लेकर विवाद शुरू से ही रहा है, हाल ही में स्टालिन सरकार ने अपना बजट पेश करते वक्त बजट से रुपए के आधिकारिक हिंदी प्रतीक की विदाई और तमिलभाषा वाले प्रतीक का इस्तेमाल किया था। जिस पर हंगामा होना स्वाभाविक है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु में भाषा को लेकर नया बयान दे दिया है। हो सकता है कि तमिल राजनीति इसका फिर से आक्रामक जवाब दे, लेकिन प्रधानमंत्री के सवाल के बाद तमिल राजनीति के लिए जवाब देना मुश्किल होगा..क्योंकि तमिल का प्रश्न उठाकर एक तरह से प्रधानमंत्री ने तमिल राजनीति को स्थानीयता के ही मुद्दे पर कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की है।

दक्षिण में तमिलनाडु इकलौता राज्य है, जिसकी राजनीति तकरीबन सभी ज्वलंत मुद्दों पर बनी राष्ट्रीय सहमति से अलहदा कदम उठाती रही है। श्रीलंका के लिट्टे विद्रोहियों का मसला, हिंदी विरोध और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मुद्दे, तमिल राजनीति राष्ट्रीय सहमति से अलग सोचती रही है। इस तरह उसने अपना एक अलग तमिल नैरेटिव रचा। रूपए के प्रतीक का तमिलकरण और हिंदी विरोध की ताजा सोच, अतीत के तमिल नैरेटिव का ही विस्तार है।

सबसे पहले आज के दौर की राजनीतिक मंशा को समझना जरूरी है। मौजूदा राजनीति का हर नया कदम और नई राजनीतिक नैरेटिव बनाने की कोशिश के परोक्ष और प्रत्यक्ष, दो उद्देश्य हैं। पहला मकसद जहां तुरंत जनभावनाओं को अपने पक्ष में मोड़कर सियासी फायदा उठाना होता है, वहीं इनके सहारे भविष्य के लिए अपनी मजबूत सियासी इमारत खड़ा करना भी रहती है। तमिलनाडु सरकार के हालिया कदमों का तात्कालिक कारण है अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव। इन मुद्दों के जरिए डीएमके अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। चूंकि ये मुद्दे तकरीबन आठ दशकों से डीएमके की राजनीतिक फसल के खाद का काम करते रहे हैं, इसलिए स्टालिन को एक बार फिर इसी का भरोसा है।

संविधान के मुताबिक, भारत भले ही राज्यों का संघ हो, लेकिन राज्यों को राष्ट्रीय मुद्दों से अलग राह, जिनमें अलगाववाद के खतरे हों, किसी भी कीमत आगे बढ़ने की छूट नहीं है। संविधानसभा की बहस के दौरान राज्यों के ऐसे कदमों की आशंका को देखते हुए ही मजबूत केंद्र की अवधारणा को स्वीकार किया गया। इसके बावजूद यदा-कदा कई राज्य राष्ट्रीय सोच से अलग रूख अख्तियार करते रहते हैं। हाल के दिनों में इस कोशिश में पश्चिम बंगाल भी जुड़ा, जहां से राष्ट्रवादी विचारधारा को बल मिला। अरसे से कई मुद्दों पर अलग रूख अख्तियार करते वक्त तमिल राजनीति भारतीयता के अभिन्न अंग तमिल की अवधारणा को और संविधान की सोच को दरकिनार करती रही है।

तमिलनाडु में हिंदी विरोध 1935 में डीएमके के वैचारिक उभार के साथ ही शुरू हुआ। तब भी यह सोच राष्ट्रीय युगबोध से अलग थी। तमिलनाडु में पहले क्रांतिकारी सोच के नाम पर ब्राह्मण विरोध की शुरुआत हुई, जिसका अगला कदम हिंदी विरोध रहा। अब यह सोच एक तरह से उत्तर भारत विरोध तक पहुंच चुकी है। दिलचस्प यह है कि इसमें कई बार कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी भी मददगार होती रही है। 2023 के विधानसभा चुनावों में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में बीजेपी और तेलंगाना में कांग्रेस को मिली जीत के बाद नया नैरेटिव गढ़ा गया था। जिसके मुताबिक, गोबर पट्टी के राज्यों को पिछड़ा और दक्षिणी राज्यों को समझदार बताया गया। यानी जो बीजेपी को चुने, वह पिछड़ा और जो कांग्रेस को चुने, वह प्रगतिशील। इस नैरेटिव के जरिए उत्तर और दक्षिण के बीच गहरी विभाजन रेखा खींचने की कोशिश हुई। लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर द्रविड़ राजनीति की ओर से उठाए जा रहे सवालों में इसके विस्तार को देखा जा सकता है।

अपनी अलहदा सोच के लिए अतीत में डीएमके को कीमत भी चुकानी पड़ी है। 1991 में तत्कालीन चंद्रशेखर सरकार ने करुणानिधि सरकार को कुछ ऐसी ही वजहों से बर्खास्त किया था। डीएमके करीब दो दशक से कांग्रेस की सहयोगी है, लेकिन अतीत में एक बार यह भी डीएमके की ऐसी सोच के चलते केंद्र की गुजराल सरकार को गिरा चुकी है। अभी चाहे हिंदी का सवाल हो या फिर रूपए के प्रतीक को बदलने की बात, डीएमके के रूख पर कांग्रेस ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है। ऐसा लगता है कि इन मुद्दों पर कांग्रेस की स्थिति सांप और छछूंदर जैसी हो गई है। अगर वह डीएमके का विरोध करती है तो उसे अपने स्थानीय समर्थकों के छिटकने का डर है और यदि समर्थन करती है तो उत्तर भारत में उसकी उम्मीदें बिखर सकती हैं। लेकिन बीजेपी ने आक्रामक रूख अपना रखा है। रूपए का हिंदी प्रतीक बदलने का सबसे तेज विरोध तमिल मूल की निर्मला सीतारमण और राज्य बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष अन्नामलाई कर रहे हैं। उनका साथ उनकी पूर्ववर्ती तमिलसाई सौंदर्यराजन दे रही हैं। बीजेपी की कोशिश है, स्टालिन के हिंदी विरोध की हवा तमिल सोच के जरिए निकालने की है। इसका आधार जोहो कंपनी प्रमुख श्रीधर वेंबु हिंदी समर्थन में बयान देकर मुहैया करा चुके हैं। अगले साल अप्रैल-मई में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2021 के चुनाव में दशकभर बाद डीएमके को सत्ता मिली थी। स्टालिन इसे ही बचाए रखने की जुगत में हैं। उत्तर और हिंदी विरोधी माहौल जिंदा रखकर स्थानीय भावनाओं को उभारना तमिलनाडु का आसान राजनीतिक फामूर्ला रहा है। त्रिभाषा फॉर्मूले में हिंदी विरोध स्टालिन को सबसे आसान लगा और वे मैदान में कूद पड़े। जनसंख्या के लिहाज से लोकसभा सीटों के परिसीमन में कम होना और रूपए का प्रतीक बदलना इसी का विस्तार है।

1937 में पेरियार के हिंदी विरोधी आंदोलन को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का समर्थन मिला। 1965 में जब संवैधानिक प्रावधानों के चलते हिंदी राजभाषा बन रही थी, तब सीए अन्नादुरै की अगुआई वाले हिंदी विरोधी तीखे आंदोलन को समूचे तमिलनाडु का साथ मिला। इसके दो साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी, तब से कांग्रेस राज्य में हाशिए पर ही है। इस बार हिंदी विरोध या रूपए के प्रतीक बदलने की तरकीब को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का साथ मिलता नहीं दिख रहा। इसकी बड़ी वजह यह है कि तमिल समुदाय भी अब भाषा की राजनीति और उसके दायरे को समझने लगा है। संचार क्रांति के जरिए उसे भी पता है कि स्टालिन द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों की असलियत क्या है? तमिल समुदाय के एक हिस्से की समझ बनी है कि उनकी सरकार का विरोध एक बिंदु पर राष्ट्रीय धारा के विपरीत हो सकता है। अब तमिलनाडु में भी लोग मिलने लगे हैं, जिन्हें हिंदी विरोध राजनीतिक शिगूफा लगता है। स्टालिन जिस तरह तेजी से एक के बाद एक मुद्दे उछाल रहे हैं, उससे उन्हें और उनके सलाहकारों को लगता है कि हिंदी विरोध हो या परिसीमन की मुखालफत को बड़ा और गहरा समर्थन नहीं मिल रहा है।

पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी राज्य में अपना खाता नहीं खोल पाई, लेकिन उसका गठबंधन राज्य में 18.2 प्रतिशत वोट हासिल करने में कामयाब रहा। इसमें बीजेपी का वोट 11 प्रतिशत रहा। जबकि पहले उसे तीन से पांच प्रतिशत तक ही वोट मिलता रहा। जाहिर है कि बीजेपी राज्य में अपनी जड़ें जमा रही है। बीजेपी राज्य में स्थानीय की बजाय राष्ट्रीय मुद्दों के साथ पहुंच रही है। यह भी वजह है कि स्टालिन ठेठ और आक्रामक स्थानीय मुद्दों को उभारने की कोशिश कर रहे हैं। अतीत में हिंदी और उत्तर भारत विरोध स्थानीय लोगों को गोलबंद करने का आसान जरिया रहे। इन मुद्दों पर सियासी बैटिंग डीएमके के लिए परिचित पिच रही है। इस पिच पर एक बार फिर सियासी बैटिंग करना उसे आसान लग रहा है। बीजेपी ने भी पिच तो वही अपनाई है, लेकिन उसके मुद्दे अलहदा हैं। राष्ट्रीय मुद्दे बनाम स्थानीय सोच की इस जंग में फिलहाल देश का दक्षिण कोना घायल होता नजर आ रहा है। इस पर रोक लगाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सोच बनानी जरूरी है। अन्यथा ऐसी राजनीति के दंश का दर्द अरसे तक झेलना पड़ सकता है।

सरकार व समाज पहल करें ताकि देश में दीनानाथ अस्पताल जैसी घटना दोबारा न हो

अशोक भाटिया

गर्भवती महिला को अस्पताल में दाखिल न करने के आरोप में दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल घिरता जा रहा है। इस मामले में अब कांग्रेस ने एसआईटी जांच कराने की मांग की है। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने पुणे में एक गर्भवती महिला की मौत की जांच एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) से कराने की शुक्रवार को मांग की। दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल तब निशाने पर आया जब उसने मार्च के आखिरी हफ्ते में 10 लाख रुपये की अग्रिम राशि जमा न करने पर गर्भवती महिला तनीषा भिसे को भर्ती करने से कथित तौर पर इनकार कर दिया। बाद में महिला ने जुड़वां बेटियों को जन्म देने के बाद दूसरे अस्पताल में दम तोड़ दिया। घटना की जांच कर रही चार सदस्यीय समिति ने इंगित किया है कि अस्पताल ने धर्मार्थ अस्पतालों पर आपातकालीन मामलों में अग्रिम भुगतान मांगने पर रोक संबंधी नियमों का उल्लंघन किया है।कांग्रेस नेता ने कहा, ह्यह्यइस प्रकरण की जांच सेवानिवृत्त न्यायाधीश के नेतृत्व में एसआईटी द्वारा की जानी चाहिए। जिम्मेदार चिकित्सकों और अस्पताल के कर्मचारियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि फरवरी में राज्य सरकार ने पुणे में दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल को लगभग आठ हजार वर्ग फीट जमीन एक रुपये के मामूली वार्षिक किराए पर दी है। इससे पहले अस्पताल के लिए दी गई जमीन भी मामूली किराए पर दी गई थी। अब दी गई जमीन की कीमत मौजूदा बाजार मूल्य पर कम से कम 10 करोड़ रुपये होगी। लेकिन अस्पताल ने इलाज करने से मना कर दिया क्योंकि उसने 10 लाख रुपये का अग्रिम भुगतान नहीं किया और मरीज की मौत हो गई। अगर अस्पताल को इतनी छूट देने के बावजूद इस तरह से इलाज किया जा रहा है तो इसका क्या मतलब है, अस्पतालों को इतनी छूट क्यों दी जानी चाहिए? दीनानाथ अस्पताल की घटना के बाद सरकार की ओर से तीन जांच समितियां गठित की गई थीं, लेकिन अब तक के अनुभव को देखते हुए सरकार की ओर से बहुत कम बदलाव की उम्मीद क्योंकि दो रिपोर्टों में अस्पताल को दोषी ठहराया गया है, जबकि तीसरी रिपोर्ट में लीपापोती की कोशिश की गई है। दावा है कि ऐसा प्रतीत होता है कि राज्य सरकार इसमें संलिप्त लोगों को बचाने की कोशिश कर रही है।इस मुद्दे पर मंगेशकर परिवार की कथित चुप्पी पर भी सवाल उठाया जा रहा है।दरअसल इसके बजाय, डॉक्टरों के संघों और सामाजिक संगठनों को संचार गतिविधियों, स्व-नियमन, अविश्वास के माहौल को दूर करने और डॉक्टरों पर हमलों के मामले में पुलिस द्वारा सख्त कार्रवाई करने के लिए एक साथ आना होगा।

दीनानाथ अस्पताल में हुई ताजा घटना के बाद प्रदेशभर से निजी अस्पताल, राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों, स्वास्थ्य अधिकार कार्यकताओं, सोशल मीडिया आदि पर कड़ी प्रतिक्रिया आई है।लोगों के रिएक्शन से डॉक्टर भी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। यदि इस स्थिति में तेजी से सुधार नहीं किया गया, तो समाज को कई गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ सकता है। राज्य सरकार और स्थानीय निकायों के स्वास्थ्य विभाग, जो निजी अस्पतालों को विनियमित करने के लिए जिम्मेदार हैं, बुरी तरह विफल रहे हैं, इसलिए डॉक्टरों, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए), सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों को एक साथ लाने और तुरंत एक संवाद प्रक्रिया शुरू करने की तत्काल आवश्यकता है । इसके लिए आईएमए के साथ-साथ सामाजिक संगठनों के माध्यम से विभिन्न शहरों में संचार कार्यक्रम और दीर्घकालिक पर्याप्त गतिविधियां शुरू की जा सकेंगी। प्रदेश में बड़ी संख्या में डॉक्टर भी हैं जो सेवा भाव के साथ ईमानदारी से प्रैक्टिस करते हैं। चिकित्सा पेशे में कदाचार को रोकने में ऐसे डॉक्टरों की भागीदारी बहुत महत्वपूर्ण हो सकती है। दीनानाथ अस्पताल में मरणासन्न गर्भवती महिला के इलाज में देरी हुई, क्योंकि वह 10 लाख रुपये की एकमुश्त जमा राशि का भुगतान करने में विफल रही। परिजनों का आरोप है कि महिला की मौत हो चुकी है। घटना के चार-पांच दिन बाद सोशल मीडिया पर इसके बारे में लिखा गया। शिवसेना उद्धव ठाकरे समूह की प्रवक्ता सुषमा अंधारे ने उसी के बारे में एक फेसबुक पोस्ट लिखा। विधायक अमित गोरखे का एक वीडियो भी वायरल हुआ था।

ट्रिगर पॉइंट जमा के रूप में 10 लाख रुपये की बड़ी राशि की मांग थी, जब तक कि जमा राशि का भुगतान नहीं किया जाता था, तब तक एक बहुत गर्भवती महिला के लिए इलाज शुरू नहीं किया गया था। महिला विधायक अमित गोरखे के निजी सहायक की पत्नी थी। मंत्रालय से कॉल के बावजूद, महिला का इलाज नहीं किया गया।इसलिए आम लोगों को किस दर्द से गुजरना पड़ता है, यह बताया जाने लगा। सोशल मीडिया पर कड़ी प्रतिक्रिया के बाद पुणे के प्रमुख न्यूज चैनलों के रिपोर्टरों ने दीनानाथ अस्पताल के गेट से लाइव रिपोर्टिंग शुरू कर दी। इसके बाद विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद इस मुद्दे ने राज्यव्यापी आकार ले लिया। दीनानाथ अस्पताल की घटना एक अस्पताल तक सीमित नहीं थी, बल्कि सभी निजी अस्पतालों के कदाचार को उजागर करती थी। निजी अस्पतालों से भारी जमा राशि की मांग करना, अत्यधिक बिल वसूलना, अनावश्यक महंगे परीक्षणों को मजबूर करना।यह घटना, जिसके कारण अक्सर अनावश्यक सर्जरी, दवाओं की अत्यधिक कीमतें आदि होती हैं, सुर्खियों में आ गई।

डॉक्टरों के संगठन इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पुणे चैप्टर ने इस संबंध में एक बयान जारी कर कहा कि दीनानाथ की घटना के बाद डॉक्टरों में असुरक्षा और भय का माहौल था। इसने यह भी आशंका व्यक्त की कि छोटे अस्पताल प्रभावित होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि बिना डिपॉजिट लिए हम इलाज नहीं करा पाएंगे। डॉक्टरों का मुख्य संगठन आईएमए इसमें अहम भूमिका निभा सकता है। संचार के लिए आपको सबसे पहले अपना हाथ उठाना होगा। सबसे पहले, आपको डॉक्टर द्वारा किसी भी गलत काम का समर्थन किए बिना गलती को गलती कहने का साहस होना चाहिए। साथ ही, हमें बड़ी जमा, अनुचित बिलिंग, षड्यंत्र प्रथाओं की मांग के खिलाफ कड़ा रुख अपनाना होगा। हमें अपने एसोसिएशन के सदस्य डॉक्टरों को निर्देशित करके स्व-नियमन के मार्ग का पालन करना होगा, फिर हमें विभिन्न सामाजिक संगठनों, राजनीतिक दलों, स्वास्थ्य अधिकार कार्यकताओं के साथ बातचीत करनी होगी। अन्यथा, इस तनावपूर्ण स्थिति में कुछ सकारात्मक बदलाव हो सकते हैं। अगर दोनों पक्ष अतिवादी रुख अपनाते हैं तो आने वाले दिनों में स्थिति बिगड़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है।

मरीजों का इलाज करने वाले डॉक्टरों पर हमलों की अक्सर खबरें आती हैं। दीनानाथ की घटना के बाद, भाजपा महिला कार्यकताओं द्वारा डॉ घैसास की मां के अस्पताल में तोड़फोड़ की गई। कुछ प्रदर्शनकारियों ने दीनानाथ अस्पताल के बोर्डों को काला कर दिया, अस्पताल के अधिकारियों पर चिल्लर फेंके। इस तरह के विरोध और हिंसक प्रतिक्रियाओं की सभी तिमाहियों से कड़ी निंदा की जानी चाहिए।यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि समाज को गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि डॉक्टर मरणासन्न बीमार रोगियों का इलाज नहीं कर पाएंगे।

स्वास्थ्य अधिकार एनजीओ लगातार मांग कर रहे हैं कि निजी अस्पतालों को सरकार द्वारा ठीक से विनियमित किया जाए, खासकर कोविड के दौरान, जब अत्यधिक बिलिंग के कई उदाहरण सामने आए, जिसके बाद संशोधित अधिनियम में कुछ महत्वपूर्ण संशोधनों के साथ 14 जनवरी, 2021 को महाराष्ट्र नर्सिंग होम अधिनियम में संशोधन किया गया। रोगी अधिकारों का प्रमाण पत्र और बीएमसी के शिकायत निवारण प्रकोष्ठ के टोल-फ्री नंबर को सामने के क्षेत्र में रखना अनिवार्य कर दिया गया था। हालांकि, कई निजी अस्पताल सामने के क्षेत्रों में रेट शीट लगाने और तदनुसार बिल वसूलने की प्रथा का पालन नहीं कर रहे हैं।

अधिनियम में गंभीर रोगियों के तत्काल उपचार, उनसे जमा राशि की मांग नहीं करने, बिलों का भुगतान न करने के कारण निकायों को नहीं रोकने, रोगियों को समय-समय पर उनकी बीमारी के बारे में सभी जानकारी प्रदान करने, रोगियों को सभी परीक्षण रिपोर्ट और अन्य उपचार दस्तावेज प्रदान करने का प्रावधान है। कानून द्वारा एक शिकायत निवारण प्रकोष्ठ स्थापित करना अनिवार्य है ताकि रिश्तेदार शिकायत कर सकें। शिकायत निवारण प्रकोष्ठ नगर निगम (अधिकार क्षेत्र), जिला परिषद (तालुका स्तर) और सिविल अस्पताल (सभी ग्राम पंचायत) में स्थापित किए जाने की उम्मीद है। यदि भर्ती मरीज के किसी रिश्तेदार द्वारा शिकायत की जाती है, तो इन कोशिकाओं के लिए 24 घंटे के भीतर डिस्चार्ज किए गए रोगी की शिकायतों को सुनना और एक महीने के भीतर फैसला देना अनिवार्य है। हालांकि, सरकार को एक सूची प्रकाशित करनी चाहिए कि राज्य भर में ऐसी कितनी सुनवाई की गई। वह संख्या किसी की उंगलियों पर गिनती के करीब भी नहीं आएगी।

कुल मिलाकर लगता है कि सरकार हमारे बनाए नियमों को भूल गई है। निजी अस्पतालों के उचित नियमन न होने के कारण कई समस्याएं हैं। दीनानाथ की घटना के बाद सरकार द्वारा तीन जांच समितियों का गठन किया गया। साथ ही, सरकार वादा कर रही है कि हम ऐसा करेंगे। लेकिन अब तक के अनुभव को देखते हुए सरकार से बहुत बदलाव की उम्मीद नहीं की जा सकती है। इसके बजाय, डॉक्टरों के संघों और सामाजिक संगठनों को संवाद गतिविधियों को शुरू करने के लिए एक साथ आना चाहिए। स्वनियमन, अविश्वास का माहौल हटाना, समाज से भी डॉक्टरों के खिलाफ हिंसक प्रतिक्रिया दर्ज होने पर पुलिस प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई आदि सुधारों को लागू करना होगा।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सिंह: चिकित्सा, राजनीति, समाजसेवा और शिक्षा का आदर्श समन्वय

(उत्तरशक्ति)

आदर्श, प्रबुद्ध, गुणसमृद्ध, समाजसेवी और बहुआयामी व्यक्तित्व, डॉ. राजेंद्र प्रसाद आर. सिंह जिनके कार्यक्षेत्र का विस्तार चिकित्सा, पत्रकारिता, राजनीति, शिक्षा और समाज कल्याण के विभिन्न पहलुओं तक फैला हुआ है। इनका जन्म 16 अप्रैल को देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के उपनगर मुलुंड में हुआ और इन्होंने अपनी शिक्षा बी.ए.एम.एस., मुंबई और पत्रकारिता में डिप्लोमा के साथ पूरी की। डॉ. सिंह हिंदी, मराठी, गुजराती और अंग्रेजी इन चार भाषाओं में धाराप्रवाह वातार्लाप करने में निपुण हैं। इनकी मेहनत, लगन और कर्तव्यपरायणता का ही परिणाम है कि विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा सम्मान प्राप्त हुआ है। विद्यार्थी जीवन से ही इनके मन में समाजसेवा का अंकुर प्रस्फुटित हुआ। यही कारण था कि 10 वर्ष की अवस्था से ही शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों में रूचि लेने लगे। इन्होंने लगातार अनेक प्रसंशनीय कार्य किये हैं। उसी का प्रतिसाद है कि आज आप देश-विदेश में अपने ज्ञान और प्रतिभा के प्रतिमान स्थापित कर रहे हैं।

सन 1969 में इनके पिता पूर्व महापौर आर. आर. सिंह समाजसेवा और राजनीति से जुड़े तो पारिवारिक वातावरण भी उसी रंग में तब्दील हो गया। सामाजिक और राजनैतिक लोगों का आवागमन प्रतिदिन लगा रहता, उनके सानिध्य में आकर डॉ. सिंह का रुझान विभिन्न सामाजिक व राजनैतिक संगठनों की ओर हुआ। वह सर्वप्रथम मुलुंड जेसिस (1985-1991) के अध्यक्ष बने और अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन किया। 1989 में उत्तर पूर्व जिला युवा कांग्रेस कमेटी (N'EDY-CC) के चेयरमेन के पद पर कार्यरत हुये। यही इनके गौरवशाली भविष्य का आगाज था। जब प्रारंभ इतना प्रभावशाली था, तो आगे भी अनेक अवसर स्वाभाविक रूप से मिलते रहे। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सिंह 1987 से 1991 तक मुलुंड युवक परिषद तथा उत्तर भारतीय संघ (मुलुंड ब्रांच) के सचिव रहे और अपने कर्तव्यों का पालन पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ किया। कहा जाता है, जो कर्मठ होता है, अवसर स्वयं उसकी राह खोज लेते हैं।

डॉ. सिंह के समक्ष भी अवसरों की एक लंबी फेहरिस्त थी। 1989 में इनको कांग्रेस पार्टी की रिव्यू कमेटी (Review Committee) में कार्य करने का अवसर मिला। इसके पश्चात, 1990 से 1994 तक इन्होंने बांबे प्रदेश युवा कांग्रेस समिति के सहासचिव के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। तत्पश्चात, मुलुंड जेसिस 1996 के अध्यक्ष पद का दायित्व संभाला और 1997 से 2000 तक मुंबई कांग्रेस कमेटी के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी के रूप में सक्रिय भूमिका निभाई। साथ ही, ये महानगरी कोऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी के संस्थापक भी रहे। जिसने वित्तीय क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इतना ही नहीं, डॉ. सिंह संत नरहरी सार्वजनिक शिक्षण संस्था, शिवम मित्र मंडल, त्रिवेणी युवक संगम (रजिस्टर्ड) और आर्य समाज मुलुंड कॉलोनी के सलाहकार के रूप में सतत योगदान देते रहे हैं। इसके अलावा, उत्तर भारतीय संघ और मैका महिला गृह उद्योग के सलाहकार के रूप में भी इन्होंने समाजसेवा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डॉ. सिंह सन 1994 में रेलवे यूजर्स कंसल्टेटिव कमेटी, ठाणे के सदस्य रहे। सन 1990 से अब तक, महाराष्ट्र सरकार द्वारा पहले स्पेशल एक्जीक्युटिव मजिस्ट्रेट (SEM) और वर्तमान में स्पेशल एक्जीक्युटिव ऑफीसर (SEO) के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। इसके साथ ही, डॉ. सिंह ह्यअखिल भारतीय राष्ट्रीय एकता निर्मूलन समिति के कार्यकारी समिति सदस्य रहे हैं। उत्तर भारतीय संघ, मुंबई, महाराष्ट्र कुर्मी क्षत्रिय संघ और सन 1985 से 1997 तक श्री नागरिक सभा (मुलुंड) के सदस्य के रूप में भी इन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई है।

डॉ. सिंह ह्यसामाजिक एकता समिति, भारतीय शिक्षण समिति और ह्यसाहस टी वार्ड से भी जुड़े रहे हैं। साथ ही, वर्ष 1990 में BMC उम्मीदवारों के चयन हेतु ह्यस्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य तथा 1991 के संसदीय आम चुनावों के लिए इलेक्शन कैंपेनिंग कमेटी के सदस्य के रूप में इन्होंने महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

सन 1995 से 2001 तक, इन्होंने स्टेशन कंसल्टेटिव कमेटी (ZRUCC) रेलवे के सदस्य के रूप में कार्य किया। इसके अलावा, सन 1999 से 2000 तक बालराजेश्वर महादेव मंदिर, धर्मशाला एवं सदाव्रत ट्रस्ट के सदस्य के रूप में समाज और राष्ट्र की प्रगति में अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

इसके अतिरिक्त, डॉ. सिंह ने विभिन्न संस्थाओं में अपना अमूल्य योगदान देकर उन्हें सम्मानित किया है। इन्होंने 1992 से 1997 तक मुंबई कांग्रेस, मुलुंड ब्लॉक क्रमांक 85 के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। इसके बाद, 1998 से 2010 तक उत्तर-पूर्व कांग्रेस कमेटी - स्लम प्रिवेंशन सेल के अध्यक्ष तथा स्पेशल एक्जीक्यूटिव ऑफिसर क्लब, मुंबई के अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान की। इन्होंने 1990 से 1993 तक मुलुंड तालुका युवा कांग्रेस और ओम दत्ता दिगंबर समर्थ सेना मंडल के अध्यक्ष पद का दायित्व निभाया।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद सिंह ने उपर्युक्त सभी सामाजिक, राजनीतिक एवं धार्मिक संस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अपना उल्लेखनीय योगदान दिया है।

इन्होंने सन 1988 से 1990 तक मुलुंड तालुका युवा कांग्रेस में सक्रिय भूमिका निभाई। इसके बाद, सन 2006 से 2014 तक उत्तर-पूर्व कांग्रेस कमेटी, उत्तर-पूर्व जिला युवा कांग्रेस कमेटी, उत्तर भारतीय संघ मुलुंड तथा ब्रांच बी. ए. एम. एस. ग्रेजुएट एसोसिएशन सहित

डॉ. राजेंद्र प्रसाद आर. सिंह

विभिन्न संस्थाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया। साथ ही साथ उपभोक्ता मार्गदर्शन एवं संरक्षण समिति के सदस्य के रूप में भी कार्यरत रहे। इसके अतिरिक्त, डॉ. राजेंद्र प्रसाद सिंह ने कल्चरल कमेटी ऑफ श्री नागरिक सभा, मुलुंड के अध्यक्ष पद पर रहते हुए आम जनता के लिए विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। जिससे लोगों का ज्ञानवर्धन हुआ और उन्हें मनोरंजन के साथ प्रेरणा भी मिली।

इनके द्वारा किये गये कार्य उन सभी के लिए एक प्रेरणा है, जो समाज सेवा में अपना योगदान देना चाहते हैं। इनकी उपलब्धियाँ यह दशार्ती हैं कि सच्ची लगन, संकल्प और परिश्रम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। इनका जीवन समाज सेवा और नेतृत्व की एक अद्वितीय मिसाल है, जो आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करता रहेगा। वर्तमान समय में डॉ. राजेंद्र प्रसाद सिंह विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से जुड़े हुए हैं। ह्यआर. आर. एज्युकेशनल ट्रस्ट, मुलुंड सिटिझन चेरिटेबल ट्रस्ट, राजीव विचार प्रसार मंच के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं और स्लम सेल (मुंबई कांग्रेस) के इंचार्ज के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसके साथ ही साथ इन्होंने त्रिवेदी फाउण्डेशन (USA) के ट्रस्टी, रयत महासंघ उत्तर पूर्व मुंबई, तथा डिजायर फाउण्डेशन, मुलुंड पान-बीड़ी विक्रेता संघ मुंबई एवं जय भवानी धाम सभी संस्थाओं में अपना योगदान दिया है। कामगार संघर्ष सेना (रजिस्टर्ड) के कोषाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। साई संस्थान शिर्डी के आजीवन सदस्य बनकर सद्भावना विकास का कार्य कर रहे हैं। आपने शताब्दी कांग्रेस तिमाही पत्रिका के संपादक के रूप में भूमिका निभाकर जन जागरूकता के कार्य किये हैं। सभी संस्थाओं को अपने कुशल नेतृत्व और सूझबूझ से प्रगति मार्ग पर ले जाने में योगदान दे रहे हैं।

डॉ. सिंह साहेब ने विभिन्न राहत कार्यों जैसे लातूर और उसमानाबाद भूकंप राहत, बिहार बाढ़ राहत, और मोरबी बाढ़ राहत में महत्वपूर्ण आर्थिक योगदान दिया। आतंकी हमले में मारे गए एक ऑटो रिक्शा चालक के परिवार के जीवन में आई कठिन परिस्थितियों में उनकी आर्थिक सहायता कर उनका संबल बने। अस्पताल के मरीजों को मुफ्त फल भी वितरित किये। महिला सशक्तिकरण की यदि हम बात करें तो सिंह साहब ने 'महिला कांग्रेस' की बैठकों का आयोजन किया और महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया। महिलाओं को सिलाई मशीनों का वितरण भी किया।

समाज को जोड़ने और सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए: अनूप जलोटा नाइट, पंकज उधास नाइट, कुमार शानू नाइट, मोहम्मद अजीज नाइट, बिरहा मुकाबला, कव्वाली मुकाबला, सुधा मल्होत्रा की भजन संध्या, बाबला ऑर्केस्ट्रा, होली स्नेह सम्मेलन जैसे सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों का भी सफल आयोजन किया है। डॉ. सिंह कई सहकारी और समाजसेवी संस्थाओं जैसे- महानगरी, जीवन ज्योत, गंगा गोदावरी, और संत नरहरी कोऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी से जुड़कर सहकार्य करते रहे हैं। इन्होंने अपने समर्पण और कुशल नेतृत्व के माध्यम से समाज, शिक्षा और संस्कृति में अमूल्य योगदान दिया है।

चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ. सिंह का योगदान प्रशंसनीय है- जैसे 75000 मरीजों को टी बी की निःशुल्क औषधियां बांटकर उन्हें बीमारी से निजात दिलाया। 2100 मरीजों की मोतियाबिंद नामक बीमारी से मुक्ति दिलाई। एक तरफ 51 विकलांग व्यक्तियों को ट्रिसायकल दिलाकर उनके जीवन की कठिनाईयों को सुलझाया, तो दूसरी तरफ कोढ़, पोलियो, ट्रिपल हेपैटाइटिस बी और टाइफायड वैक्सिनेशन कॅम्प के लिए मुफ्त औषधी बैंक की व्यवस्था की। इसके अतिरिक्त, एम्बुलेंस सेवा तथा इनके द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में नेत्र जांच, रक्तदान, और टीकाकरण कार्यक्रम भी शामिल हैं, जिनसे हजारों लोगों को लाभ हुआ। सिंह साहब इस प्रकार की स्वास्थ्य सेवाएं नियमित करते रहते हैं।

डॉ. सिंह ने शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दिया है। इनके मार्गदर्शन में आर. आर. एज्युकेशनल ट्रस्ट, जिसका भूमिपूजन तत्कालीन राज्यपाल श्री पी. सी. एलेक्जेंडर के करकमलों द्वारा हुआ। वर्तमान समय में इसमें मराठी व अंग्रेजी माध्यम स्कूल, जूनियर कॉलेज, हॉटल मैनेजमेंट, स्पोर्टस एकेडमी, डी. एड. व बी. एड. कॉलेज (NAAC ACCRED-ITED) चल रहे हैं।

राजीव गांधी हाई स्कूल (हिंदी और मराठी माध्यम), दयानंद वैदिक विद्यालय प्रायमरी, सेकंडरी, व (जूनियर कॉलेज सहित), में इन्होंने विद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक सफल संचालन में मदद की है। इनके नेतृत्व में इन संस्थानों ने हजारों विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की है। आर. आर. एज्युकेशनल ट्रस्ट की शिक्षा पद्धति से सभी प्रभावित हैं। मराठी व अंग्रेजी माध्यम स्कूल में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन होता रहता है। नई शैक्षणिक पद्धतियों का प्रयोग करके छात्रों को सिखाया जाता है। आर. आर. एज्युकेशनल ट्रस्ट डी. एड. और बी. एड. कॉलेज से निकले हजारों शिक्षक आज देश के कोने-कोने में विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों में शिक्षा प्रदान करके देश की भावी पीढ़ियों को गढ़ने का कार्य कर रहे हैं। जूनियर कॉलेज व हॉटल मैनेजमेंट से भी अनेक मेधावी छात्रों ने कई क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। वे छात्र यह मानते हैं कि हमें जो भी मुकाम हासिल हुआ है वह इस विद्या के मंदिर आर. आर. एज्युकेशनल ट्रस्ट से ही मिले ज्ञान और सहयोग का फल हैं। यहां स्पोर्टस एकेडेमी को शानदार तरीके से संचालित किया जा रहा है इससे छात्रों को खेल में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त हुआ है। इस संस्थान में डिग्री कॉलेज और प्रबंधन कॉलेज की स्थापना का भी प्रस्ताव रखा है। यह आपके कुशल नेतृत्व को ही दशार्ता है।

समय समय पर डॉ. राजेंद्र प्रसाद सिंह ने छात्रों को प्रोत्साहित करने और युवाओं को सशक्त बनाने के लिए नोटबुक वितरण एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया। जरूरतमंद विद्यार्थियों को स्कूल परिधान व जूते भी वितरित किए जिससे उनकी शिक्षा-दीक्षा निर्बाधित रूप से चलती रहे।

खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए डॉ. सिंह ने कई कुश्ती प्रतियोगिताओं और क्रिकेट मैचों का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों ने युवाओं को प्रेरित किया और उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए मंच प्रदान किया। मुलुंड तालुका यूथ कांग्रेस द्वारा आयोजित क्रिकेट मैच और कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविरों में भागीदारी आपकी दूरदर्शिता को दशार्ती है। साम्प्रदायिक सद्भाव के प्रबल समर्थक डॉ. सिंह ने ईद मिलाद और शिवाजी जयंती को संयुक्त रूप से मनाने का आयोजन किया, जिससे समुदायों के बीच आपसी सम्मान और समझ को बढ़ावा मिला। एकता अखंडता सप्ताह जैसे आयोजन इनके एकता और समावेशिता के संदेश को और मजबूत करते हैं। इनके द्वारा किये गये कार्य इस बात का प्रतीक हैं कि सच्चा नेतृत्व वह है जो समाज को ऊपर उठाए, विभाजन को मिटाए और सकारात्मक परिवर्तन की ओर अग्रसर हो। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में, 1980 से 1998 तक मुलुंड क्षेत्र में वृक्षारोपण से लेकर नालों की सफाई तक जैसे सराहनीय कार्य इनके कार्यकाल की मुख्य विशेषता रही। इन्होंने वृक्षारोपण और पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा देकर समाज को एक स्थायी भविष्य की ओर अग्रसर किया। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान, इन्होंने भूकंप पीड़ितों के लिए पर्याप्त धनराशि का दान और एंबुलेंस उपलब्ध करवाया। इसके अलावा, समाज के कमजारे वर्गों को मुफ्त पौधे वितरण किये। 2001 के गुजरात भूकंप के दौरान राहत के लिए रैली का आयोजन भी इनके मानवीय दृष्टिकोण को दशार्ता है। सुलभ शौचालयों का उद्घाटन, जिमनैजियम का निर्माण और स्थानीय सुविधाओं का विकास आपके कार्यों में शामिल हैं। डॉ. सिंह ने अपने पिता पूर्व महापौर मुंबई, स्व. आर. आर. सिंह के कुशल मार्गदर्शन में अपने राजनीतिक करियर की शुरूआत की। सिंह साहब उत्तर पूर्व जिला कांग्रेस कमेट के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। युवा कांग्रेस और कांग्रेस (आई) के विभिन्न पदों पर कार्य किया। कई मोर्चों और आंदोलनों का नेतृत्व किया, जिसमें मूल्य वृद्धि, भ्रष्टाचार और सामाजिक अन्याय के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शामिल हुए हैं। इनका राजनीतिक नेतृत्व सिर्फ आंदोलन तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि इन्होंने चुनावों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आप नगर निगम चुनाव में प्रत्याशी रहे और विधानसभा चुनावों में प्रमुख चुनाव एजेंट के रूप में कार्य किया।

राजनीतिक क्षेत्र में, डॉ. सिंह ने राजीव गांधी, इंदिरा गांधी और जवाहरलाल नेहरू जैसे राष्ट्रीय नेताओं की स्मृति को जीवित रखने के लिए प्रमुख सार्वजनिक सभाओं का आयोजन किया। इनमें से एक उल्लेखनीय आयोजन 23 फरवरी 1990 को मुलुंड में भारतरत्न श्री राजीव गांधी द्वारा संबोधित सार्वजनिक सभा थी। न्याय और राजनीतिक जवाबदेही के प्रति आपके समर्पण का उदाहरण 1989 में तत्कालीन उपप्रधानमंत्री देवी लाल के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में दायर मामला है, जो बाद में सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। यह साहस लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति आपकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इनके नेतृत्व में ह्यजेल भरो आंदोलन और ह्यसेव कश्मीर डे जैसे आंदोलन आयोजित किए गए। मूल्य वृद्धि, टोल टैक्स और प्रशासनिक अनियमितताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन इनकी लोक कल्याणकारी प्रतिबद्धता को उजागर करते हैं। डॉ. राजेंद्र प्रसाद सिंह जी के नेतृत्व में हाल ही (10 फरवरी 2025) में महाराष्ट्र राज्य शिक्षक सेना ने आर. आर. एज्युकेशलन ट्रस्ट, मुलुंड के प्रांगण में राज्य स्तर के शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की एक दिवसीय बैठक आयोजित की, राज्य भर से चार हजार से अधिक शिक्षक और गैर-शिक्षण कर्मचारी शामिल हुए जिसमें शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे साहेब की उपस्थिति आकर्षण का केंद्र रही। इस सभा में भारी संख्या में जनसमुदाय के बीच कुल 20 प्रस्ताव और विभिन्न शैक्षणिक मांगे स्वीकार की गई। साथ ही साथ देश, समाज और आम जनता की समस्याओं पर गहन चर्चा हुई। डॉ. सिंह समाज कल्याण हेतु इस प्रकार के कार्य नियमित रूप से करते रहते हैं।

समाजसेवी डॉ. राजेंद्र प्रसाद सिंह का जीवन हम सब के लिए प्रेरणादायी है इनके नेतृत्व और प्रयासों ने समाज में एक नई दिशा का संचार किया है। इन्होंने राष्ट्रीय एकता, सांप्रदायिक सद्भाव, और सामाजिक कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। इनके अथक परिश्रम, लगन और निष्ठा से किये गये कार्य राजनीति, सामाजिक सुधार, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक कल्याण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में जन समुदाय के लिए एक मिशाल हैं। यह कार्य समाज और राष्ट्र की प्रगति में अवश्य ही सहयोगी साबित होंगे। आपको कोटि-कोटि नमन।

-शशिकला पटेल

असिस्टेंट प्रोफेसर, आर. आर. एज्युकेशनल ट्रस्ट बी.एड. कॉलेज मुलुंड पूर्व।

गुलाब दुबे पांच प्रदेशों के शिवसेना राज्य समन्वयक नियुक्त

ठाणे (उत्तरशक्ति)। शिवसेना के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुलाब दुबे के पार्टी के प्रति समर्पण को देखते हुए शिवसेना ने उन्हें अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपते हुए उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और झारखंड जैसे पांच हिंदी भाषी प्रदेशों का राज्य समन्वयक नियुक्त किया है। दुबे की इस उपलब्धि पर विभिन्न प्रांतों के शिव सैनिकों और समाज के लोगों ने उन्हें बधाई दी है। इस नियुक्ति पर गुलाब दुबे ने कहा है कि आज मुझे गर्व का अनुभव हो रहा है कि शिवसेना ने मुझे एक नई ज़िम्मेदारी सौंपी है। यह मेरे लिए सिर्फ एक पद नहीं, बल्कि एक पवित्र जिम्मेदारी है।मैं महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे साहेब, और समस्त शिवसेना परिवार का आभारी हूं, जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया। आपके आशीर्वाद से, हम उत्तर भारत में शिवसेना को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का काम करेंगे। शिवसेना और हिंदुत्व के विचार को जन-जन तक पहुँचाने का यह सफर अब और भी प्रेरणादायक बनेगा।

घाटकोपर होर्डिंग्स जैसी दुर्घटना, नवी मुंबई में होने की आशंका

मुंबई। पूर्वी उपनगर के घाटकोपर में पिछले वर्ष 13 मई को एक विशालकाय इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल होर्डिंग गिर गई थी। जिसके नीचे दबकर 16 लोगों की मौत हुई और 74 अन्य घायल हो गए थे. इस घटना के बाद बड़े शहरों में होर्डिंग्स लगने के नियमों के बारे में चर्चा शुरू हो गई थी। आरटीआइ कार्यकर्ता और लॉ स्टूडेंट रूपेश रविढोने ने इस संदर्भ में नवी मुंबई पालिका मुख्यालय में सूचना अधिकार के तहत के तहत इलेक्ट्रिक लाइटिंग डिजिटल विज्ञापन बोर्ड के संदर्भ में जानकारी मांगी थी। उन्होंने महानगरपालिका से इलेक्ट्रिकल डिजिटल बोर्ड लगाने के लिए दिए गए लाइसेंस और उन पर की गई के संदर्भ में जानकारी मांगी थी। नवी मुंबई महानगर पालिका के लाइसेंस विभाग के अध्यक्ष तात्या साहेब गायकवाड ने सूचना अधिकार के तहत जो जानकारी उपलब्ध कराई है, वह चौंकाने वाली है । सूचना अधिकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार रोनक एडवरटाइजिंग एजेंसी के पाम बीच रोड और नवरत्न होटल के सामने मिलाकर कुल पांच जगह पर परमिशन की डेट खत्म हो चुकी है. इसी तरह नवी मुंबई के नेरुल इलाके में लगाए गए विस्टा एडवरटाइजिंग की 2 जगह और वाशी क्षेत्र में लगाए गए श्री एडवरटाइजिंग के तीन जगह इलेक्ट्रॉनिक बोर्ड का परमिशन खत्म हो चुका है। उसके बावजूद भी यह बोर्ड धड़ल्ले से जलाए जा रहे हैं . इसी कड़ी में सीबीडी बेलापुर क्षेत्र में एसएनएस एडवरटाइजिंग और वाशी क्षेत्र के कई जगहों पर सिद्धि इंटरप्राइजेज(मेसर्स गार्गीज ग्राफिक्स) द्वारा लगाए गए इलेक्ट्रिक बोर्ड की परमिशन की मियाद खत्म हो चुकी है। बता दें कि नवी मुंबई में कई तरह की जमीनें हैं. जैसे कलेक्टर लैंड, सॉल्ट पैन लैंड, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट लैंड, बीएमसी लैंड आदि. इसलिए अगर कोई किसी जमीन पर होर्डिंग लगा रहा है तो उसे संबंधित लैंड अथॉरिटी के साथ ही नवी मुंबई महानगरपालिका की इजाजत भी जरूरी है. महानगर पालिका एक सीमित अवधि के लिए परमिशन देती है । इस दौरान जहां पर इलेक्ट्रॉनिक बोर्ड लगाया जाता है वहां की मजबूती और अन्य सुरक्षा के मानकों ऑडिट करती है। इसके अलावा महानगरपालिका समय-समय पर इन बोर्ड को चेक करती रहती है कि कहीं उनके गिरने की संभावना तो नहीं है, अगर ऐसी संभावना होती है तो महानगरपालिका परमिशन की डेट आगे नहीं बढ़ती है। लॉ स्टूडेंट रूपेश रविढोने ने आश्चर्य प्रकट किया है कि परमिशन की डेट खत्म होने के बावजूद भी जल रहे यह इलेक्ट्रॉनिक बोर्ड कभी भी आफत बनकर गिर सकते हैं ।जिसमें निर्दोष नागरिकों की जान जा सकती है और अन्य नुकसान भी हो सकता है। रूपेश रविढोने ने नवी मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त डॉक्टर कैलाश शिंदे समेत मुख्यमंत्री को ईमेल भेजकर शिकायत की है कि क्या घाटकोपर होल्डिंग दुर्घटना जैसी घटना नवी मुंबई में होने का महानगरपालिका इंतजार कर रही है।

क्लियर ने रीसाइकल प्लास्टिक की बोतलों से बनी बेंचें स्थापित की

मुंबई। भारत के प्रमुख पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर ब्रांडों में से एक क्लियर प्रीमियम वॉटर ने 38वें राष्ट्रीय खेलों के साथ अपने सहयोग के तहत, देहरादून के महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज (टढरउ) में रीसाइकल प्लास्टिक की बोतलों से बनी बेंचें स्थापित की हैं। ब्रांड का यह कदम पर्यावरण संरक्षण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यह पहल प्लास्टिक वेस्ट को कम करने और सार्वजनिक स्थानों पर पर्यावरण के अनुकूल टिकाऊ नवाचार को बढ़ावा देने के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है। राष्ट्रीय खेल कार्यक्रम के समापन के बाद उत्तराखंड की खेल मंत्री रेखा आर्य की उपस्थिति में यह स्थापना की गई। क्लियर प्रीमियम वॉटर के ₹ड्रिंक, डिस्पोज एंड ट्रांसफॉर्मर₹ अभियान के तहत विकसित की गई ये बेंच रीसाइकल ढएळ (१ढएळ) बोतलों से बनाई गई हैं और जिम्मेदार वेस्ट मैनेजमेंट के वास्तविक और मजबूत परिणामों का प्रतीक हैं। ब्रांड की पहल, वास्तव में, प्लास्टिक की बोतल के वेस्ट को इकट्ठा करने, इसे उच्च गुणवत्ता वाले आरपीईटी ग्रैन्यूल में संसाधित करने और इसे पीईटी बोतलों, बेंचों और वस्त्रों जैसे उत्पादों के रूप में पुनः उपयोग करने, लैंडफिल कचरे को कम करने और हरित समाधानों को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। इस अभियान के तहत कुल 9 लाख प्लास्टिक की बोतलें इकट्ठा की गईं. जिनमें से 6 लाख प्री-इवेंट चरण में और 3 लाख इवेंट के दौरान एकत्र किए गए थे। 11 अलग-अलग स्थानों पर लगभग 1 लाख बोतलों को स्रोत से अलग किया गया और स्थायी सार्वजनिक बैठकों के लिए पुनः उपयोग किया गया। इससे अंततः उन्हें लैंडफिल में जाने से रोका गया और कार्बन उत्सर्जन कम हुआ। यह पहल न केवल रीसाइक्लिंग की क्षमता को प्रदर्शित करती है, बल्कि स्वच्छ भारत अभियान और मिशन लाइफ को भी बढ़ावा देती है। उत्तराखंड की खेल मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि क्लियर प्रीमियम वॉटर के साथ साझेदारी में एमपीएससी देहरादून में रीसायकल बेंच की स्थापना वास्तव में पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। प्लास्टिक वेस्ट को सार्वजनिक उपयोगिताओं में परिवर्तित करके हम एक चक्रीय अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रहे हैं और स्वच्छ, हरित भविष्य के लिए अपनी दृष्टि को मजबूत कर रहे हैं। क्लियर प्रीमियम वॉटर के संस्थापक और सीईओ, नयन शाह ने कहा कि ₹टढरउ देहरादून में रीसायकल बेंच की स्थापना हमारे विश्वास को दशार्ती है कि स्थिरता को वास्तविक, व्यावहारिक और वास्तविक दुनिया के समाधानों द्वारा संचालित किया जाना चाहिए।

आचार्य चाणक्य कौशल विकास योजना केंद्र का उद्घाटन

चेतन निर्मल संवाददाता

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कमलादेवी एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित कमलादेवी कला और वाणिज्य कॉलेज और रुचि सामाजिक संस्था के संयुक्त प्रयास से 12 अप्रैल को कमलादेवी महाविद्यालय में आचार्य चाणक्य कौशल विकास योजना केंद्र का उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम की शुरूआत आए हुए प्रमुख अतिथियों का स्वागत सत्कार से किया गया। इस कार्यक्रम में कल्याण पूर्व के विधायक सुलभा गायकवाड, पूर्व नगरसेवक मनोज राय, रुचि सामाजिक संस्था के अध्यक्ष वंदना लोखंडे,

महाविद्यालय के संस्थापक सदानंद तिवारी, कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. सिमी सिंह , अश्विनी राणे, सचिन चौधरी तथा अन्य मान्यवर और शिक्षक वर्ग उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का परिचय महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सिमी सिंह ने दिया। इसी तरह कल्याण पूर्व के विधायक सुलभा गायकवाड ने सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी और महिलाओं को स्वयं के पैरों पर खड़ा होकर अपने विकास की आवश्यकता के बारे में बताया। रुचि सामाजिक संस्था की अध्यक्ष वंदना लोखंडे ने इस सामाजिक संस्था के बारे में जानकारी दी। पूर्व नगरसेवक मनोज राय ने बताया कि महिलाओं को इस कौशल योजना का कैसे लाभ होगा। उन्होंने महिलाओं को सक्षम बनाने के तरीकों पर मार्गदर्शन किया और भारत सरकार की योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी।

महाविद्यालय की क्द्अउ समन्वयक अश्विनी राणे ने भी मार्गदर्शन दिया। महाविद्यालय के संस्थापक सदानंद तिवारी ने आचार्य चाणक्य कौशल विकास योजना के माध्यम से महिलाओं और युवाओं को कैसे फायदा होगा, इस पर भी मार्गदर्शन किया। इस कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापक संकेत कुलकर्णी ने किया। इस प्रकार आचार्य चाणक्य कौशल विकास योजना केंद्र का उद्घाटन बड़े उत्साह से संपन्न हुआ।

जिला परिषद पालघर में उत्साहपूर्वक मनी महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। समाज सुधारक एवं क्रांति के अग्रदूत महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती शुक्रवार 11 अप्रैल 2025 को जिला परिषद पालघर में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने महात्मा फुले की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (सामान्य प्रशासन) इजाज अहमद शरीख मसलत, जल जीवन मिशन के प्रकल्प संचालक अतुल पारसकर, जिला पशुसंवर्धन अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर सहित जिला परिषद के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान डॉ. प्रकाश हसनालकर ने महात्मा फुले के विचारों को याद करते हुए समाज में समानता, बंधुता और शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि महात्मा फुले का जीवन और उनके आदर्श आज भी समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने महात्मा फुले के विचारों को आत्मसात करने और उनके बताए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

समाजसेवी अनिल राय का दुखद निधन, बोईसर में दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

पालघर(उत्तरशक्ति)। होली के पावन पर्व पर जहां पूरा देश रंगों की खुशी में डूबा हुआ था, वहीं बोईसर मे शोक की लहर दौड़ गई जब गांव के लोकप्रिय नागरिक अनिल राय का आकस्मिक निधन हो गया। उनका निधन उनके पैत्रिक गांव आरा, जिला -जौनपुर में हुआ जिससे पूरे गांव और आसपास के क्षेत्र में शोक का माहौल छा गया।स्वर्गीय अनिल राय न केवल एक सज्जन और मिलनसार व्यक्ति थे, बल्कि समाज सेवा में भी सक्रिय भूमिका निभाते रहे। उनके असमय चले जाने से क्षेत्र को अपूरणीय क्षति हुई है। बुधवार 9 अप्रैल 2025 को एमआईडीसी बोईसर (पालघर)के बालाजी बैंक्विट हॉल में शाम 3 बजे से एक श्रद्धांजली सभा का आयोजन किया गया, जिसमें परिवार के सदस्य, रिश्तेदार, गांववासी और शुभचिंतक बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। इस दौरान सभी ने उनकी प्रतिमा

पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की चिर शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस श्रद्धांजलि सभा में शामिल लोगों ने स्व.अनिल राय के व्यक्तित्व और उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि वे सदैव दूसरों की मदद के लिए तत्पर रहते थे और उनके जैसे सरल हृदय वाले व्यक्ति बहुत ही कम मिलते हैं । उनके निधन से जो शून्य उत्पन्न हुआ है, उसे भर पाना असंभव है।

इस मौके पर परिवार के सदस्यों की आंखें नम थीं, लेकिन हर किसी की जुबां पर एक ही बात थी अनिल जी जैसी शख्सियत कभी भुलाई नहीं जा सकती। इस मौके पर ईश्वर से प्रार्थना की गई कि वह दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दे और शोक संतप्त परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करें। इस शोक सभा मे स्व.अनिल राय के परिजनों के अलावा क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी स्वामीनाथ पाण्डेय, सज्जनलाल (लालाजी) गुप्ता,अरविन्द सिंह क्षत्रिय,वरिष्ठ पत्रकार रामप्रकाश निराला व ओमप्रकाश द्विवेदी,समाजसेवी हनुमान सिंह,संजय सिंह, सत्येंद्र सिंह, मनोज राय,जुबेर अहमद सिद्धिकी, एल.पी. सिंह,बी.बी. सिंह, ब्रह्मदेव चौबे,मनोज पाटिल,महावीर जैन (सोलंकी),चन्दन सिंह, बी.पी. सिंह, आर.पी. चुरी,रणवीर शर्मा, पवन भंडारी, नन्दन मिश्रा,रामनरेश यादव, प्रदीप सिंह, सतेंद्र मिश्रा, शिवशंकर यादव, सुनील सिंह तथा बृजेश पाण्डेय आदि सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर अनेक वक्ताओं ने स्व.अनिल राय के साथ बिताये अपने अनुभव साझा किये।

पालघर जिले में सामाजिक समता सप्ताह के अंतर्गत महात्मा ज्योतिराव फुले की मनाई गई जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र सरकार द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और वंचित वर्गों के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुँचाने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 8 अप्रैल से 14 अप्रैल तक ₹सामाजिक समता सप्ताह₹मनाया जाता है। इस उपक्रम के अंतर्गत पालघर जिले में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।इसी क्रम में दिनांक 11 अप्रैल 2025 को पालघर स्थित सहायक समाज कल्याण आयुक्त, कार्यालय में महात्मा ज्योतिराव फुले की 198 वीं जयंती श्रद्धा और उत्साह पूर्वक मनाई गई। इस कार्यक्रम में महात्मा

फुले की जीवनी पर आधारित व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें प्रमुख वक्ता के रूप में डॉ.प्रकाश हसनालकर ने मार्गदर्शन किया।कार्यक्रम के दूसरे सत्र में स्टैंड अप इंडिया योजना के अंतर्गत मार्जिन मनी (मुद्रालोन) विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में डॉ.भुवनेश्वर बोरकर ,उपआयुक्त, पशुसंवर्धन विभाग, पालघर और प्रमुख वक्ता डॉ.प्रकाश हसनालकर पशुसंवर्धन अधिकारी, जिला परिषद पालघर ने उपयोगी जानकारी प्रदान की।इस योजना के बारे में विस्तृत जानकारी सहायक आयुक्त, समाज कल्याण विभाग, पालघर पांडुरंग वाबले ने दी। कार्यक्रम की प्रस्तावना मयूर मोरे ने की और सूत्र संचालन रमेश राठौड़ ने किया।

राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ ने किया शीतल पेयजल केंद्र का उद्घाटन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। समाजसेवा, धर्म और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सदैव अग्रणी भूमिका निभाने वाली संस्था राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ द्वारा पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत चित्रालय स्थित सम्राट होटल के ठीक सामने एमआईडीसी नाका पर शीतल पेयजल सेवा केंद्र का विधिवत शुभारंभ किया गया। राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ ने विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी गर्मी के मौसम में राहगीरों, स्कूली बच्चों और रिक्शा चालकों के लिए ठंडे व स्वच्छ पेयजल की सेवा उपलब्ध कराने की परंपरा को कायम रखा है। होटल सम्राट के सामने स्थापित इस केंद्र में युवी प्यूरिफायर सिस्टम के साथ अत्याधुनिक वाटर कूलर लगाए गए हैं। जिससे आम जनमानस को स्वच्छ एवं शीतल जल की सुविधा

मिलेगी। इस सेवा केंद्र का उद्घाटन पास्थल ग्राम पंचायत के सरपंच आनंद सोमण एवं सदस्य गणेश घरत द्वारा नारियल फोड़ कर किया गया। इस अवसर पर साई शॉपिंग के व्यापारीगण, स्थानीय नागरिक एवं कई गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ पालघर जिला अध्यक्ष लक्ष्मण बेदाडे ने की। संघ के प्रमुख पदाधिकारी रोहित सिंह, मीना बोरसे, सरिता तिवारी, मदन माली, सुरेश माली, बाबू देवासी, हंसराम राणा और नरसिंग जयसवाल सहित अनेक सदस्यों की उपस्थिति एवं सहयोग से यह सेवा कार्य सफलतापूर्वक प्रारंभ किया गया। संघ की ओर से यह जलसेवा नियमित रूप से शुरू कर दी गई है। इस पुण्य कार्य की स्थानीय लोगों और समाजसेवियों ने खुले दिल से सराहना की है।

पालघर जिला परिषद में क्यूसीआई संस्थान की टीम ने की समीक्षा बैठक

सौ दिवसीय कार्ययोजना के तहत गुणवत्ता का किया आकलन

पालघर(उत्तरशक्ति)। भारत सरकार की प्रतिष्ठित संस्था भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) की टीम ने आज 100 दिवसीय कार्ययोजना के तहत पालघर जिला परिषद का औपचारिक दौरा किया। इस दौरान परिषद के विभिन्न विभागों का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया गया। टीम ने परिषद भवन में स्थित व्यायामशाला, पुस्तकालय, स्वच्छता कक्ष, प्रशासनिक कक्ष समेत अन्य बुनियादी सुविधाओं की गहन समीक्षा की। जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने क्यूसीआई टीम का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके साथ विस्तार से चर्चा की। इस बैठक में परिषद की कार्यप्रणाली, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और नागरिकों तक सेवाओं की पहुँच पर गहन विचार-विमर्श किया गया। तत्पश्चात आयोजित विस्तृत समीक्षा बैठक में, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे ने क्यूसीआई टीम को जिले में लागू विभिन्न

योजनाओं, वर्तमान उपलब्धियों और भविष्य की सुधार योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। इस महत्वपूर्ण निरीक्षण के दौरान परियोजना संचालिका डॉ. रूपाली सातपुते, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी इजाज अहमद शरीख मसलत, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी धनराज पांडे सहित सभी विभाग प्रमुख एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। हर विभाग ने अपनी-अपनी कार्ययोजनाओं का विवरण प्रस्तुत किया। क्यूसीआई के प्रतिनिधियों ने विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा करते हुए सुझाव, मार्गदर्शन एवं गुणवत्ता सुधार की रणनीतियों पर विचार विमर्श किया। क्यूसीआई की यह समीक्षा जिला परिषद की कार्यपद्धति पारदर्शिता, कार्यक्षमता और सेवा गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने आश्वासन दिया कि क्यूसीआई की रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक सुधारों को अमल में लाया जाएगा, जिससे जिले में जनहित योजनाओं का क्रियान्वयन और प्रभावी होगा।

अगले हफ्ते से शिवसेना का संपर्क अभियान शुरू : विधायक विश्वनाथ भोईर

कल्याण पश्चिम के 38 प्रभागों में चलेगा अभियान

कल्याण (उत्तरशक्ति)। अगले सप्ताह से पूरे महाराष्ट्र में संपर्क अभियान चलाने का निर्णय शिवसेना द्वारा मुंबई में आयोजित बैठक में लिया गया है। कल्याण पश्चिम के 38 प्रभागों में भी इस अभियान को बेहद प्रभावी तरीके से लागू किया जाएगा ऐसी जानकारी विधायक विश्वनाथ भोईर ने मीडिया को दी है। यह संपर्क अभियान राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और संसद रत्न सांसद डॉ.श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में चलाया जाएगा, यह जानकारी भी उन्होंने दी। राजनीतिक विशेषज्ञ यह कयास लगा रहे हैं कि यह संपर्क अभियान एक तरह से आगामी महापालिका चुनावों का संकेत है। विधायक विश्वनाथ भोईर ने बताया कि कल्याण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के टिटवाला स्थित श्री महागणपति के दर्शन करके इस इस संपर्क अभियान की शुरूआत की जाएगी। शिवसेना के सभी प्रमुख

पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। ₹हर दिन एक वार्ड₹ इस तरह से कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिकों से सीधा संवाद किया जाएगा। जिससे कार्यकर्ता अपनी बात, परेशानियाँ और संगठन की मजबूती के लिए सुझाव रख सकें। साथ ही संबंधित प्रभाग के आम नागरिक भी इस अभियान में शामिल होकर अपनी नागरी समस्याएँ और कठिनाइयाँ शिवसेना पदाधिकारियों के सामने रख सकेंगे। विधायक भोईर ने आगे कहा कि कल्याण पश्चिम के सभी 38 प्रभागों में अगले हफ्ते से यह अभियान चलाया जाएगा और यह एक तरह से आगामी महापालिका चुनावों की शुरूआत है, ऐसा संकेत भी उन्होंने इस दौरान दिया।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

कैबिनेट मंत्री ओ.पी. राजभर पहुँचे नौली गांव, हरसंभव सहायता का दिलाया भरोसा

सड़क हादसों में मारे गए ग्रामीणों के परिजनों से की मुलाकात

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के नौली गाँव में शनिवार को उत्तर-प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर पहुंचे। उन्होंने हाल ही में अलग-अलग सड़क हादसों में मारे गए ग्रामीणों के परिजनों से भेंट कर गहरा दुःख प्रकट किया और उन्हें ढांढस बंधाया। गौरतलब है कि बीते 23 मार्च को नौली गांव के निवासी संतोष राजभर (28 वर्ष) पुत्र ललसू राजभर, उज्ज्वल राजभर (16 वर्ष) पुत्र रतीलाल राजभर की मनेछा के पास एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई थी। इस हृदयविदारक घटना की जानकारी होते ही मंत्री ओमप्रकाश राजभर शनिवार को शोक संतप्त परिवारों से मिलने पहुंचे। उन्होंने परिजनों को सांत्वना दी और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। इसी दौरान मंत्री ओ.पी. राजभर ने गाँव के ही वृद्ध रमई राजभर की मृत्यु पर उनके आवास पहुंचकर शोक व्यक्त किया। इसके अलावा अहिरोंपरशुरामपुर निवासी पवन राजभर, जिनकी हाल ही में पंजाब के पटियाला में सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी, उनके घर भी जाकर उन्होंने शोक संवेदना प्रकट की। मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि दुःख की इस घड़ी में सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने पीड़ित परिवारों को हरसंभव सरकारी सहायता दिखाने का भरोसा दिलाया।

इस दौरान पूर्व प्रधान शिवदवर राजभर, जिला पंचायत सदस्य डॉक्टर सर्वेश राजभर, जिला पंचायत सदस्य शोले राजभर, डॉक्टर लालमनि राजभर, ओमप्रकाश राजभर, लखंदर राजभर, राजू राजभर, गुड्डू यादव, मनोज सिंह समेत आदि उपस्थित रहे।

समाधान दिवस पर थाना खेतासराय में प्राप्त 5 शिकायतों में 3 का हुआ निस्तारण

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना परिसर में शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता थाना प्रभारी निरीक्षक रामाश्रय राय ने की। इस दौरान ग्रामीणों द्वारा कुल 5 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 3 का मौके पर ही आपसी समझौते और प्राथमिक जांच के आधार पर निस्तारण कर दिया गया। शेष दो मामलों में गहन जाँच की आवश्यकता को देखते हुए संबंधित मामलों की जाँच हेतु पुलिस टीम का गठन किया गया और उन्हें मौके पर भेजा गया है। थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि सभी प्रकरणों की जांच निष्पक्ष और त्वरित निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। थाना समाधान दिवस का उद्देश्य जन शिकायतों का त्वरित निपटारा करना है ताकि आमजन को न्याय मिल सके और थाने पर अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें। इस दौरान राजस्व विभाग के अधिकारी, हल्का लेखपाल, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि समेत अन्य संबंधित कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री ने स्टांप पंजीयन एवं न्यायालय के संबंध में विभागीय अधिकारियों के साथ की बैठक

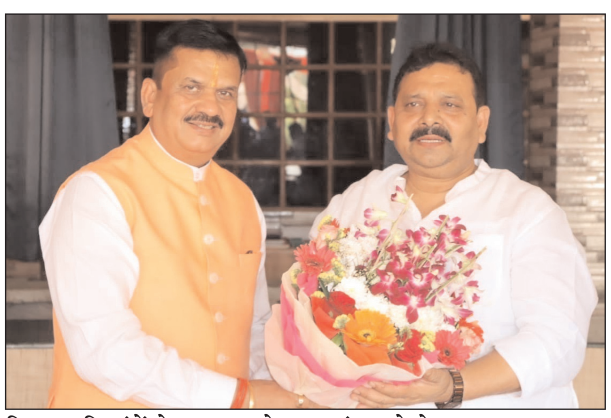

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) स्टांप तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन विभाग रविंद्र जायसवाल द्वारा पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में स्टांप पंजीयन एवं न्यायालय के संबंध में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक संपन्न हुई। इसके पूर्व राज्य मंत्री के जनपद आगमन पर जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद द्वारा पुष्पगुच्छ तथा अंगवस्त्रम प्रदान कर उनका स्वागत किया गया। बैठक में मंत्री द्वारा जनपद में विभागीय राजस्व प्राप्ति के संबंध में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयबर चौहान से जानकारी प्राप्त की गई। इसके साथ ही उन्होंने स्टांप वादों, स्टांप देयो एवं वसूली से सबंधित वितरण, शासन की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत होने वाली कार्यवाही, महिलाओं के पक्ष में विलेखों में स्टांप छूटो का विवरण, पारिवारिक दान विलेखों का विवरण, दिव्यांगों के कल्याण हेतु स्टांप छूटो का विवरण, भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारजनो को स्टांप छूटो का विवरण के संबंध में जानकारी प्राप्त की।इसके साथ ही राज्यमंत्री द्वारा ऑनलाइन नकल प्रदान की जाने की संबंध में कृत कार्यवाही, एक पन्ने के विलेख प्रमाणक जारी किये जाने एवं उसी दिन विलेखों की तत्काल वापसी, स्टांप वादो के एक मुश्त समाधान योजना, रु. दस हजार से पच्चीस हजार के स्टांप की वापसी के विवरण के सम्बन्ध में भी विस्तार पूर्वक समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयबर चौहान, एआईजी स्टाम्प डॉ० राजकरण सहित संबंधित अधिकारीगण, सहित अन्य उपस्थित रहे।

जनपद में 12 से 15 अप्रैल तक एयर पिस्टल/एयर राइफल शूटिंग चैंपियनशिप का किया गया आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में यूपी स्टेट राइफल एसोसिएशन के तत्वाधान में 12 अप्रैल से 15 अप्रैल तक एयर पिस्टल/एयर राइफल शूटिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया है। प्री यूपी स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप का उद्घाटन मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) स्टाम्प एवं न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन विभाग रवींद्र जायसवाल ने किया।इस अवसर पर राज्यमंत्री ने कहा गया कि इस ओपन शूटिंग कॉम्पिटिशन में देशभर से अलग-अलग राज्यों से यहां खिलाड़ी हिस्सा लेने आए है। शूटिंग चैंपियनशिप में निशानेबाजों की ओर से दमदार खेल देखने को मिला।उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल में भी देश विदेश में भारत का नाम रोशन हो रहा है। आज तमाम ऐसे खिलाड़ी हैं जो ओलंपिक में मेडल लेकर आ रहे है।जिले एवं स्टेट स्तर पर उनका चयन किया जा रहा है। इसके लिए उन्होंने सभी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इससे खिलाड़ियों का नर्सरी का विकास होगा। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर पूरे स्टेट के खिलाड़ी इस संगम में भाग ले रहे हैं इसके लिए उनको शुभकामना दी और कहा कि शासन स्तर से खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए कई योजनाएं संचालित किया जा रहा है। अतिथियों का स्वागत यूपी स्टेट राइफल एसोसिएशन के अध्यक्ष पूर्व सांसद श्याम सिंह यादव ने किया।

ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात युवक की हुई मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के वाराणसी-लखनऊ जफराबाद रेल प्रखंड मार्ग पर शनिवार की सुबह में कोड़री रेलवे फाटक के पास अप लाइन पर एक अज्ञात ट्रेन की चपेट में आ जाने से एक 30 वर्षीय अज्ञात युवक की मौत हो गई। बताते चलें कि कोड़री रेलवे फाटक के नजदीक रेलवे ट्रैक पर एक शव मिलने से देखते ही देखते आस पास सैकड़ों की भीड़ इकट्ठा हो गई। इसी बीच किसी ने शव की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर तत्काल घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान के लिए काफी लोगों से पूछताछ की। लेकिन शव की शिनाख्त न होने पर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। मृतक व्यक्ति का पहनावे में सफेद काले कलर कि चेकदार शर्ट और नीले कलर का लोवर पहना हुआ था।

हजारों की जान जोखिम में डालकर प्रशासन के नाक के नीचे चल रही प्रदर्शनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मनोरंजन के नाम पर और पब्लिक के जेब से पैसे निकालने के चक्कर मे कुछ लोग हजारों की जान जोखिम में डालने से भी नही कतराते। और तो और यह सब प्रशासन के नाक के नीचे चल रहा है। बताते चले इस समय नगर के रामलीला मैदान में प्रदर्शनी चल रही है जिसमे सुरक्षा के

मानकों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है।प्रदर्शनी मेले में शाम से रात दस बजे तक बच्चे, महिलाएं किशोर बूढ़े सभी जाते हैं मगर इनकी सुरक्षा राम भरोसे हैं। प्रदर्शनी मेले आपात स्थिति से निपटने के लिए कोई इन्तजाम नही है। आग लगने पर उससे निपटने के आग बुझाने का पूरे मेले परिसर में कोई संयंत्र नही है।इस सम्बंध में जब एसडीएम राजेश कुमार चौरसिया से पूछा गया तो उन्होंने कहा की फायर एनओसी सहित सभी कागजात कम्प्लीट है।जबकि धरातल पर एसडीएम के दावों की पोल खुलती नजर आती है।अब देखना यह है प्रशासन हजारों की जान जोखिम में डालने वालों पर क्या कार्यवाई करता है ।या फिर किसी तरह की घटना होने के बाद प्रशासन जागता है।

मुँगराबादशाहपुर पुलिस गैगेस्टर एक्ट के वांछित व 25 हजार के इनामिया आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध व अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे। अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी मछलीशहर के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा मय हमराह के सुरागरसी पतारसी के दौरान मुखबीर खास की सूचना पर 01 वांछित व 25,000 रुपए का पुरस्कार घोषित आरोपी राजीव यादव पुत्र तिलक सिंह यादव निवासी सुरायपदा थाना अजीतमल जनपद औरैया को सम्बन्धित मु0अ0सं0-124/2024 धारा-3(1) उ0प्र0 गैगेस्टर एक्ट थाना मुँगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर को दिनांक-12.04.2025 सरोखनपुर तिराहे के पास से हिरासत पुलिस में लिया गया। अग्रिम विधिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय जौनपुर रवाना किया गया।

भूमि विवाद में 5 महिला समेत 11 शांतिभंग में गिरफ्तार

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। खेतासराय क्षेत्र के ग्राम जमदहा और नगर में भूमि विवाद के चलते उपजे विवाद में 5 महिला समेत 11 लोगों को पाबन्द कर लिया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी में विजय लाल पुत्र बनवारी लाल, सुनीता पत्नी अर्जुन, आनंद कुमार पुत्र प्यारेलाल, अनीता पत्नी विजेंद्र, दीपिका पुत्री विजेंद्र सिंह निवासीगण जमदहा, मंजू पांडे पत्नी अंजनी पांडे, अंजनी पांडे पुत्र स्व. चंद्रशेखर पांडे, पूनम पांडे पुत्री स्व. उमाकांत पांडे, निर्मला पांडे पत्नी स्व. उमाकांत पांडे निवासीगण कस्बा चौहट्टा व अमन कुमार पुत्र ओमप्रकाश, इंद्रसेन पुत्र नागेंद्र निवासीगण कैराडीह थाना खुटहन को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय भेज दिया गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष रामाश्रय राय, उपनिरीक्षक भोलानाथ सिंह, कांस्टेबल मोहम्मद तारीक अंसारी, हेड कांस्टेबल शिव गोविंद यादव, त्रिगुण कुमार, संजय पांडे, अंबिका यादव, महिला कांस्टेबल नेहा यादव, प्रियंका प्रजापति, कांस्टेबल विनय यादव शामिल रही।

दो सगे भाइयों ने कायम की अद्भुत मिसाल

अपनी व्यक्तिगत निधि से मंदिर का कराया जीर्णोद्धार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर थाना क्षेत्र के ग्राम खमपुर मे एक राम जानकी और शिव मंदिर है, जिसका निर्माण पूर्वजों द्वारा सदियों पहले कराया गया था। मंदिर का अपना एक पुरातात्विक इतिहास और महत्व है देखरेख के अभाव, और समय के थपेड़ों की मार के कारण राम जानकी और शिव मंदिर दोनों जिर्ण शीर्ण अवस्था में पहुंच गए थे। समाज के लोगों ने, सरकारी सहायता व तमाम संस्थाओं से मदद की गुहार की, मगर कोई परिणाम नहीं निकला।मंदिर की स्थिति तब और खराब हो गई जब विगत कई वर्ष पहले चोरों ने राम जानकी और लक्ष्मण जी की मूर्ति को रातों-रात काट लिया! सरकारी व सामाजिक सहायता विफल होते देख। ग्राम खमपुर के ही रहने वाले दो सगे भाई शारदा प्रसाद मौर्य, व सिकंदर मौर्या भाजपा मंडल अध्यक्ष सिंगरामऊ ,ने संकल्प लिया, कि वह अपने व्यक्तिगत निधि से शिव मंदिर का जीर्णोद्धार, कराएंगे, और चोरों द्वारा काटी गई राम जानकी व सीता की मूर्ति को पुनः स्थापित करेंगे। संकल्प के अनुसार दोनों भाइयों शारदा प्रसाद मौर्य और सिकंदर मौर्य ने लगभग दसियो लाख रुपए अपने पास से खर्च करते हुए अल्प समय में ही, मंदिर का जीर्णोद्धार करवा दिया। और चोरों द्वारा काटी हुई राम जानकी सीता की मंदिर को बिधि विधान से पूजन करते हुए, पुन स्थापित करवाया। मूर्ति स्थापना के क्रम में, एक जुलूस राम जानकी मंदिर से होते हुए, कुशहा मंदिर, और महाकाली मंदिर सिंगरामऊ से वापस आकर, बिधि विधान से मंदिर में मूर्ति की स्थापना की गई। दोनों भाइयों के इस सराहनीयऔर अनुकरणीय प्रयास सभी ने भूरि भूरि प्रशंसाकी। इस मौके पर राजेश सिंह, उमेश सिंह, प्रेम सिंह, रमेश मौर्य, राजेश मौर्य, शीला मौर्य,मुन्नी सिंह मोनू सिंह आदि लोग मौके पर उपस्थित रहे। इस अवसर पर कुंवर मृगेंद्र सिंह शिव बाबा ने दोनों भाइयों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए। अपने उद्गार में कहा की की दोनों भाइयों द्वारा किया गया यह प्रयास समाज के लिए एक आदर्श स्थापित करेगा, और समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनेगा।

शुगर जागरूकता रैली निकाल चिकित्सकों ने किया जागरूक

फ्री मेडिकल कैम्प में 250 लोगों की हुई निःशुल्क जांच और मिली दवा

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शनिवार को नगर के सुल्तानपुर बाईपास स्थित वेदान्ता हास्पिटल के बैनर तले डाक्टर हिमांशू चित्रवंशी के नेतृत्व में शुगर जागरूकता रैली निकाली गई।रैली में वेदान्ता हास्पिटल के डॉक्टर्स और स्टाफ दो पहिया वाहन पर सवार होकर पूरे नगर का भर्मण करते हुए आसपास के गॉवों में भी गए जहां लोगों को सूगर से सम्बंधित बीमारियों से बचाव और सावधानियों के बारे में जागरूक किया। और लोगों को पम्पलेट भी बांटे गए।

रैली का शुभारम्भ वरिष्ठ ह्रदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर ज्ञानचंद चित्रवंशी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में अबकी बार सूगर पर वार लिखे तख्तियां लेकर लोगों को जागरूक किया। रैली पुनः भर्मण के बाद अपने गन्तव्य स्थान वेदान्ता हास्पिटल पहुंची जहां लगभग 250 मरीजों को निःशुल्क सूगर जांच कर तीन महीने की दवा मुफ्त में दी गयी। उक्त मौके पर डाक्टर सुधाँशू चित्रवंशी, डाक्टर दिव्यांशु चित्रवंशी, डाली सिंह, दिलीप कुमार, अमजद, शाहिद, शुसील, देवव्रत, अंजू, रिया सहित दर्जनों गणमान्य उपस्थित रहे।

पीयू में प्लेसमेंट ब्रोशर का विमोचन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ द्वारा सत्र 2025 के लिए तैयार प्लेसमेंट ब्रोशर का विमोचन शुक्रवार को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय का यह ब्रोशर देशभर के प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट हाउसों और कंपनियों तक पहुंचाया जाएगा ताकि विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को उच्चस्तरीय रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें।

प्रो. वंदना सिंह ने ब्रोशर की सराहना करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, नवाचार, अनुसंधान और विद्यार्थियों की प्रतिभा को उजागर करने वाला एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में छात्र-छात्राओं को तकनीकी दक्षता के साथ-साथ संचार कौशल और व्यावसायिक आचार संहिता की समझ होनी चाहिए। इस दिशा में विश्वविद्यालय का प्लेसमेंट प्रकोष्ठ निरंतर प्रयासरत है।

इस अवसर पर आईक्यूएसी के समन्वयक प्रो. गिरिधर मिश्र ने विश्वविद्यालय की गुणवत्ता उन्नयन और उद्योग जगत से बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। केंद्रीय ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के समन्वयक प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने ब्रोशर की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों, इंफ्रास्ट्रक्चर, उद्योगों से साझेदारी और विद्यार्थियों की योग्यता का समावेश किया गया है। कार्यक्रम में डॉ. नितेश जायसवाल एवं डॉ. विशाल यादव, उप समन्वयक भी उपस्थित रहे।

संत निरंकारी मिशन ने किया मानव एकता दिवस का आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। आध्यात्मिकता ही मानव एकता को मजबूती दे सकती है तथा मानव को मानव के निकट लाकर आपसी प्रेम और सौहार्द का वातावरण बना सकी है। इसी मन्तव्य से सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता जी के आशीर्वाद से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ‘मानव एकता दिवस’ का आयोजन 24 अप्रैल, 2025 को जहाँ एक ओर ग्राउंड नं0 8, निरंकारी चौक, बुराड़ी में किया जायेगा वहीं भारतवर्ष के प्रत्येक ब्रॉंचों में भी श्रद्धालु भक्त सम्मिलित होकर बाबा गुरबचन सिंह जी एवं मिशन के अनन्य भक्त चाचा प्रताप सिंह जी को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगें और उनके महान जीवन से प्रेरणा लेगें। संत निरंकारी मण्डल के सचिव एवं समाज कल्याण विभाग के प्रभारी आदरणीय श्री जोगिन्दर सुखीजा ने जानकारी देते हुए बताया कि सतगुरु की असीम कृपा से इस वर्ष भी सम्पूर्ण विश्व के लगभग 500 से अधिक स्थानों पर संत निरंकारी मिशन की समाज कल्याण शाखा संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वाधान में रक्तदान शिविर की अविरल श्रृंखलाओं का व्यापक स्तर पर आयोजन किया जायेगा जिसमें लगभग 50,000 से अधिक रक्तदाता मानवता की भलाई हेतु रक्तदान कर निःस्वार्थ सेवा का उदाहरण प्रस्तुत करेंगे। इसी क्रम में 24 अप्रैल को मानव एकता दिवस के दिन मड़ियाहूं पड़ाव स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन पर रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ है। जिसका समय प्रातः 9:00 बजे से 1:00 बजे तक है।दिल्ली के बुराड़ी स्थित ग्राउंड नंबर 8 में प्रातः 8 बजे से दोपहर 12 बजे आयोजित होने वाले इस रक्तदान शिविर में रक्त संग्रहित करने हेतु विभिन्न अस्पतालों के प्रशिक्षित डाक्टर एवं इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी की टीम सम्मिलित होंगी। साथ ही देश के अन्य राज्यों में भी आयोजित रक्तदान शिविरों में स्थानीय अस्पतालों के डाक्टर एवं नर्स रक्त संग्रहित करने हेतु इस सेवा को निभाने के लिए तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त सभी स्थानों पर सत्संग कार्यक्रम का भी आयोजन किया जायेगा।जैसा कि सर्वविदित ही है कि युगप्रवर्तक बाबा गुरबचन सिंह जी समाज कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत रहे। प्रत्येक भक्त के जीवन को वास्तविक रूप में एक व्यावहारिक दिशा प्रदान की जिसके लिए मानवता उनकी सदैव ही ऋणी रहेगी।युगदृष्टा बाबा हरदेव सिंह जी द्वारा सन 1986 से आरम्भ हुई परोपकार की यह मुहिम, महाअभियान के रूप में आज अपने चरमोत्कर्ष पर है। पिछले लगभग 4 दशकों में आयोजित 8644 शिविरों में 14,05,177 युनिट रक्त मानवमात्र की भलाई हेतु दिया जा चुका है और यह सेवाएं निरंतर जारी है।निश्चित रूप में लोक कल्याण हेतु चलाया जा रहा यह अभियान निरंकारी सतगुरु की प्रदत्त सिखलाइयो को दशार्ते हुए एक दिव्य संदेश प्रेषित कर रहा है जिससे हर प्राणी प्रेरणा प्राप्त कर अपने जीवन को कृतार्थ कर रहा है।

बना रहे बनारस, हर जगह बजेगा तबला, भरवा मचाएगा धमाल

डॉ.एस.के. मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक और शिल्प विश्वविख्यात है। इस विरासत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिल रही है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बनारस दौरे के दौरान यूपी के 21 पारंपरिक उत्पादों को भौगोलिक संकेतक टैग का प्रमाण पत्र प्रदान किया। इससे न सिर्फ यूपी की विविधताओं को एक नई उड़ान मिली बल्कि योगी सरकार की एक जिला, एक उत्पाद नीति की सफलता को भी रेखांकित किया। बनारस का तबला और भरवा मिर्च जैसे खास व्यंजन और कारीगरी अब वैश्विक मंच पर अपनी विशिष्ट पहचान के साथ धमाल मचाएंगे।

बरेली, मथुरा और बुंदेलखंड को भी मिला सम्मान

इस जीआई सूची में झुमका गिरने वाले बरेली का फर्नीचर, जरी जरदोजी और टेराकोटा, धर्म नगरी मथुरा की सांझी क्राफ्ट, वीरों की बुंदेलखंड का काठिया गेहूं और पीलीभीत की बांसुरी भी शामिल है। ये सभी उत्पाद अपने-अपने क्षेत्रों की सांस्कृतिक पहचान हैं और अब जीआई टैग प्रमाण पत्र मिल जानें से इन्हें कानूनी संरक्षण और ब्रांड वैल्यू दोनों मिलेंगे।

जानें बनारस को क्या मिला खास गिफ्ट

यूपी की पारंपरिक कारीगरी को अंतर्राष्ट्रीय मंच

बनारस का अन्य उत्पाद शहनाई, मेटल कास्टिंग क्राफ्ट, म्यूरल पेंटिंग, लाल पेड़ा, ठंडई, तिरंगी बर्फी और चिरईगांव का करौंदा को भी जीआई टैग प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है।ये सभी न केवल सांस्कृतिक धरोहर हैं, बल्कि इनसे जुड़े हजारों कारीगरों को अब वैश्विक बाजार में अपने हुनर को दिखाने का अवसर मिलेगा। पद्मश्री से सम्मानित जीआई विशेषज्ञ डॉ. रजनीकांत के अनुसार बनारस विश्व का जीआई हब है। 32 जीआई टैग के साथ लगभग 20 लाख लोगों के जुड़ाव और 25,500 करोड़ का वार्षिक कारोबार अकेले बनारस से है।

बता दें कि 77 जीआई उत्पादों के साथ यूपी देश में पहले स्थान पर है। इसमें भी अकेले 32 जीआई के साथ बनारस विश्व का जीआई हब है।

बता दें कि बनारस के दो विशिष्ट पहचान बनारसी तबला और भरवा मिर्च अब जीआई टैग प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त उत्पाद बन गया है। संगीत प्रेमियों के लिए बनारस का तबला वर्षों से एक खास स्थान रखता है। बनारस का भरवा मिर्च अपने अनूठे स्वाद और पारंपरिक विधि के कारण हमेशा चर्चा में रहती है।

जीआई टैग से कारीगरों और किसानों को मिलेगा लाभ

जीआई टैग न केवल उत्पाद की मौलिकता को दशार्ता है, बल्कि इसके जरिए किसानों और कारीगरों को बाजार में बेहतर दाम मिलते हैं, इससे रोजगार के नए अवसर भी सृजित होते हैं। योगी सरकार के सतत प्रयासों और ओडीओपी नीति के चलते यूपी जीआई टैग प्राप्त उत्पादों की संख्या में लगातार शीर्ष पर बना हुआ है।

चित्रकूट, आगरा और जौनपुर की कला को नई उड़ान

चित्रकूट का वुड क्राफ्ट, आगरा का स्टोन इनले वर्क और जौनपुर की इमरती को भी जीआई टैग प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। इससे साफ है कि यूपी के हर क्षेत्र में छिपे पारंपरिक शिल्प और स्वाद को अब वैश्विक मंच पर ले जाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

हनुमान जयंती पर श्री गणेशजी बालोद्यान विद्यालय के बच्चों ने किया हनुमान चालीसा का भावपूर्ण पाठ

अमित तिवारी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा श्री गणेशजी बालोद्यान विद्यालय, सन्दहाँ में हनुमान जयंती के पावन अवसर पर भक्ति एवं संस्कार से परिपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण विद्यालय के नन्हें-मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक रूप से किया गया हनुमान चालीसा पाठ रहा, जिसने समूचे परिसर को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। विद्यालय के प्रिंसिपल चन्द्रशेखर तिवारी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में यह आयोजन अत्यंत अनुशासित एवं प्रभावशाली रहा। विशेष अतिथि के रूप में पधारे अधिवक्ता अमित तिवारी ने बच्चों को भारतीय संस्कृति, धर्म और नैतिक मूल्यों के महत्व पर प्रेरणादायक विचार साझा किए। उन्होंने बालमन में भक्ति, सेवा और चरित्र निर्माण की भावना विकसित करने पर बल दिया।

इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षकगण, शिक्षिकाएँ एवं छात्र-छात्राएँ पूरी आस्था व उत्साह के साथ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में धार्मिक जागरूकता के साथ-साथ भावनात्मक और नैतिक विकास को प्रोत्साहित करना रहा।विद्यालय परिवार की यह पहल न केवल भक्ति का प्रतीक बनी, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व विकास की दिशा में भी एक अनुकरणीय कदम सिद्ध हुई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले संतोष आरएन सिंह

लखनऊ। उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह ने कल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। उन्होंने उत्तर प्रदेश में हो रहे सर्वांगीण विकास तथा अपराध मुक्त प्रदेश की दिशा में उठाए जा रहे प्रभावशाली कदमों के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बधाई दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में बाबू आरएन सिंह के नाम पर चल रहे मुफ्त डायलिसिस सेंटर की जानकारी लेने के साथ-साथ मुंबई में उत्तर भारतीय समाज के विकास पर भी चर्चा की। साथ ही उन्होंने उत्तर भारतीय संघ द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों के लिए संतोष सिंह को शुभकामनाएं दी।

दैनिक यशोभूमि के संपादक बनाए गए श्रीनारायण तिवारी

मुंबई। मुंबई से प्रकाशित लोकप्रिय हिंदी दैनिक यशोभूमि के कार्यकारी संपादक श्रीनारायण तिवारी को प्रमोशन देकर इसी समाचार पत्र का नया संपादक नियुक्त किया गया है, जिससे उनके चाहने वालों मे खुशी की लहर है। डॉ. रामनोहर त्रिपाठी पत्रकारिता पुरस्कार समेत अनेक पुरस्कारों से सम्मानित श्रीनारायण तिवारी ने लोकप्रिय दैनिक जनसत्ता और संझा जनसत्ता में मुख्य संवाददाता, लोकमत समाचार और लोकमत तथा लोकमत टाइम्स में विशेष संवाददाता एवं दबंग दुनिया, एब्सलूट इंडिया, पूर्व विराम और दैनिक जागरुक टाइम्स में भी कार्यकारी संपादक के रूप में कार्य किया। उन्हें खबरों में तीखी धार और समाचार पत्र में नए कलेवर के लिए जाना जाता है, जो आज भी दैनिक यशोभूमि समाचार पत्र में दिखाई देता है। हनुमान भक्त श्रीनारायण तिवारी को हनुमान जयंती के दिन मिले प्रमोशन को उनकी भक्ति की शक्ति के रूप में देखा जा रहा है।

दंत चिकित्सक डॉ दीपक यादव से हुई औपचारिक मुलाकात

नालासोपारा (उत्तर शक्ति)। नालासोपारा पूर्व में स्थित ओसवाल नगरी में ओसवाल डेंटल क्लिनिक के सर्जन डॉ दीपक यादव से दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा व जगदीश तिवारी ने डॉ दीपक यादव से औपचारिक मुलाकात कर उन्हें अच्छे सेवा के लिए हार्दिक बधाई दी। बता दें डॉ दीपक यादव एक सरल सौम्य मिलनसार व्यक्ति है वे अपने कार्य को ईश्वर की सेवा मानते हैं। डॉ अपने क्लीनिक पर सभी मरीजों का उचित दर पर इलाज करते हैं। अमिर गरीब सभी का इलाज पर विशेष ध्यान देते है। उन्होंने बताया कि हम कोशिश करते हैं कि हमारे यहां से कोई भी व्यक्ति इलाज के बिना न रह पाए। और उसका इलाज कम से कम दर पर हो। डॉ यादव ओस्तवाल नगरी क्षेत्र में एक विशिष्ट स्थान रखते हैं।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी डॉ हसीजा नही रहे

-प्रेम चंद मिश्रा

मुंबई (उत्तर शक्ति)। इलेक्ट्रो होम्योपैथी (EHF) के गौरव कहे जाने वाले डॉक्टर हसीजा समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय रहे 70 वर्षीय डॉ हसीजा का दिनांक 11 अप्रैल रिलायंस अस्पताल में दोपहर 2 बजे निधन हो गया। वे वर्षों से समाज हित और डाक्टरों के हित के लिए सदैव लड़ाई लड़ते रहे। विविध कार्यों में उनके निधन पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ पड़ी है। वे अपने पिछे पत्नी और पुत्री छोड़ गए हैं। इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ पी एस पांडे, महाराष्ट्र इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के प्रदेश अध्यक्ष डॉ प्रदीप तिवारी, पालघर के अध्यक्ष डॉ सरोज, महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ रमेश यादव, मुंबई के अध्यक्ष डॉक्टर राकेश तिवारी, मुंबई के उपाध्यक्ष डॉ भोलानाथ चौहान, नालासोपारा के डॉक्टर संजय सिंह तेज, संचालक कर्ता डॉक्टर श्रवण कुमार राजभर, डॉक्टर अंबरनाथ और डॉक्टर विश्वकर्मा, डॉक्टर महेश कुरले, डॉक्टर अजय सिंह आदि लोगों ने अंत्येष्टि में भाग लिया और दुःख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किया। डॉ भोलानाथ चौहान ने अश्रु पूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि हमारे बीच से एक होनहार हीरा लुप्त हो गया। ईश्वर परिवार वालों को को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

लोगों ने प्रकाश चौधरी को दी जन्मदिन की बधाई

मुंबई। शनिवार को प्रकाश चौधरी घाडगे महाराज विद्यालय ट्रस्टी व भाजपा ओबीसी मोर्चा मुंबई महामंत्री को जन्मदिन पर उनके जनसंपर्क कार्यालय, कुर्ला, मुंबई मे शॉल और पुष्पगुच्छ देकर जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी गई। इस मौके पर उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक समाचार संवाददाता सुखबिंदर सिंह, जय हिंद कुमार प्रजापति, समाजसेविका व शिवसैनिक शिंदे सरकार समर्थक श्रद्धा गोरगे, भाजपा उत्तर मध्य जिल्हा मुंबई उपाध्यक्ष हरिकेश जैसवाल सहित अन्य लोग मौजुद रहे। प्रकाश चौधरी ने आए हुए सभी मेहमानो को अल्पाहार से धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्नेहा दुबे ने किया अस्मशानघाट का शिलान्यास

वसईरोड। अर्नाला ग्राम पंचायत वसई पश्चिम सीमा में नवीन अस्मशान घाट के निर्माण का शिलान्यास वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित द्वारा किया गया। साथ में अर्नाला ग्राम पंचायत के सरपंच इस कार्यक्रम में वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित के साथ उपस्थित थे। नंदकुमार घरत, अरनाला ग्राम पंचायत सदस्य और भाजपा वसई विरार शहर जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, वसई पश्चिम मंडल अध्यक्ष कपिल म्हात्रे, जिला परिषद सदस्य श्रीमती आशा चव्हाण, पंचायत समिति सदस्य श्रीमती सुश्री वनिता टंडेल, ग्राम पंचायत सदस्य, हेमलता बालशी, रामदास मेहर ,बोर्ड महासचिव आशीष जोशी, बोर्ड महासचिव भुपेश राऊत, श्रीमती सविता ठाकुर, सुधीर मेहर, मयूर नाइक, श्रीमती दर्शना हेमाडे, भरत भोईर, विजय भोईर , विकास सिंह , जीतू शिंदे, संतोष मंडोवी, दरक्या सावरे एवं समस्त ग्राम पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हनुमान जन्मोत्सव : मंदिरों में सुंदरकांड, हनुमान चालिसा के पाठ, भजन

-सुरेश गांधी

वाराणसी। हनुमान चालीसा, सुंदरकांड, रामचरितमानस तथा बजरंग बाण के दोहे-चौपाई का जाप करते भक्त। शंखनाद, घंटे-घड़ियाल की मधुर ध्वनि के बीच पंचामृत, विभिन्न औषधीयों के द्रव्य, तीर्थो के पवित्र जल से मंदिर में हनुमान जी का अभिषे क करते पुजारी व महंत।

जी हां, शनिवार को विशेष योग संयोगों में केसरी नंदन हनुमान जी के जन्मोत्सव पर ऐसा ही नजारा दिखा। इससे पूर्व मध्य रात्रि में हनुमान जी का दुग्धाभिषेक कर उन्हें नवीन पोशाक धारण कराई गई व मनमोहक श्रृंगार किया गया। श्रद्धालुओं ने झांकी के दर्शन कर सुख समृद्धि की कामना की।

हनुमान मंदिरों में विशेष सजावट के साथ ही रोशनी की गई। शाम को विभिन्न मंदिरों में फूल-मालों से तैयार किए गए फूल बंगले में हनुमान जी को विराजमान किया गया। जबकि दोपहर में कई जगहों पर शोभायात्राएं निकाली गई। संकट मोचन मंदिर, बड़े महाबीर मंदिर अर्दलीबाजार, प्राचीन हनुमान मंदिर पांडेयपुर में भक्तों का सैलाब उमड पडा। इस दौरान पूरा परिसर बजरंगबली के

जयकारे से गुंजायमान रहा। इन मंदिरों को भव्य एवं दिव्य आकर्षक लाइटों से सजाया गया।

सुबह से देर रात तक हनुमान जयंती का उत्साह का चरम पर दिखाई दिया। हाथों में ध्वज लेकर भक्त सड़क पर उतरे और जय बजरंगी जय हनुमान का जयकारा लगाया। ध्वजा यात्रा निकाली गई। रविंद्रपुरी और सुंदरपुर क्षेत्र से भक्तों का जत्था निकला और संकट मोचन मंदिर पर पहुंचकर यात्रा का समापन हुआ। भिखारीपुर तिराहे से जब शुरूवात हुई तो संख्या कम रही, लेकिन जैसे-जैसे ध्वजा यात्रा आगे बढ़ती गयी, लंबाई हनुमान जी की पूंछ की तरह बढ़ती गई.

3 किमी से ज्यादा लंबी इस यात्रा में हजारों भक्त शामिल हुए. इतना ही नहीं यात्रा में 21 फीट का गदा खासा आकर्षण का केंद्र बना. इस दौरान 40 फीट के रथ पर सजा राम दरबार भक्तों की आस्था का केंद्र रहा. ह्लजय श्री रामह्व और जय हनुमान के नारों के बीच भक्त नंगे पांव इस पदयात्रा में चलते रहे. इस दौरान जगह-जगह पुष्प वर्षा से उनका स्वागत किया गया. पदयात्रा में 100 से ज्यादा डमरुओं की ह्लडम-डमह्व की आवाज गूंजती रही और 5100 से ज्यादा लाल और केसरिया ध्वज लहराते रहे. इस हनुमान ध्वजा यात्रा में 7 राज्यों के अलावा पूर्वांचल भर के 20,000 से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए.

मांस-मदिरा मुक्त हो काशी

यात्रा की शुरूआत से पहले ही हनुमान भक्तों ने काशी के अंतगृही क्षेत्र में मांस-मदिरा पर प्रतिबंध लगाने की मांग की. भक्तों का मानना है कि इस पवित्र स्थली में मांस-मदिरा पूरी तरह बंद हो जानी चाहिए. इस अभियान को आगे बढ़ाने के लिए सभी भक्तों ने शपथ भी ली. ह्लपवित्र काशीह्व की मांग के समर्थन में श्री हनुमान ध्वजा यात्रा में विशेष झांकी भी शामिल रही, जो चर्चा का केंद्र बनी रही.मान्यता है कि इस दिन बजरंगबली की आराधना से अष्ट सिद्धी नव निधि का आशीर्वाद मिलता है। भक्त हाथों में ध्वज लेकर यात्रा निकालते हैं और जयकारा लगाते हैं। वाराणसी के विभिन्न क्षेत्रों से निकली यात्रा का समापन संकट मोचन मंदिर पर होता है और सर्वसिद्धि की मनोकामना पूरी होती है।

हनुमज्जयंती पर संकटमोचन मंदिर में लाखों भक्तों ने टेकें मत्था

पवनपुत्र की आरती के साथ ही 2500 किलो लड्डू का भोग आकर्षण का केंद्र रहा

हनुमज्जयंती के अवसर पर संकट मोचन मंदिर में भक्तों का सैलाब उमड पडा। इस दौरान पूरा परिसर बजरंगबली के जयकारे से गुंजायमान रहा। इस अवसर पर श्री संकट मोचन मंदिर में महंत प्रो. विश्वम्भरनाथ मिश्र ने भक्तों में प्रसाद वितरण किया। प्रांगण में स्वर्ण प्रताप चतुर्वेदी के आचार्यत्व में रामार्चा पूजन एवं रुद्राभिषेक किया गया। वाल्मिकी रामायण के सुंदर कांड का पाठ राघवेंद्र पांडेय ने किया। अखंड रामचरित मानस का चैती में गायन रामकृष्ण मिशन एवं अन्य कीर्तन मंडलियों द्वारा किया गया। वहीं हनुमान बैठकी में राजेश दीक्षित द्वारा हनुमान जी का श्रृंगार किया गया। मंदिर के कीर्तन मंडलियों द्वारा अखंड सीताराम कीर्तन का पाठ हुआ। इस अवसर पर शहनाई वादन वाराणसी के कलाकारों द्वारा किया गया। संकट मोचन मंदिर में तीन बजे भोर से ही हजारों लोग जुट गये थे। मंदिर में पवनपुत्र की आरती के साथ ही 2500 किलो लड्डू का भोग आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर मंदिर परिसर में हनुमान चालीसा, बजरंगबाण, हनुमानष्टक एवं सुंदरकांड का सस्वर पाठ किया गया। 13 अप्रैल से 15 अप्रैल तक सायं पांच से रात्रि 10:00 बजे तक मंदिर प्रांगण में सार्वभौम रामायण सम्मेलन आयोजित है। जिसमें काशी तथा देश के अनेक सुप्रसिद्ध मानस वक्ताओं की कथा होगी। इस अवसर पर सुरक्षा के चाक चौबंद व्यवस्था की गयी थी। हनुमज्जयंती पर महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश समेत सात राज्यों के श्रद्धालु शिरकत किए। मिर्जापुर, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, बलिया, चंदौली और गोरखपुर जैसे पूर्वांचल के जिलों से भी भारी संख्या में भक्त पहुंचे।

संकट मोचन मंदिर में संजीवनी बूटी लड्डू की सजेगी झांकी

संकट मोचन मंदिर में 16 अप्रैल से शुरू होने वाले संगीत समारोह की तैयारियां अंतिम दौर में हैं। मंदिर परिसर में बनने वाली कला दीर्घा हर बार की तुलना में इस बार कई मायने में खास होगी। जहां पेड़ पर बैठे राम-सीता (कटआउट बनाया जाएगा) श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देते नजर आएंगे, वहीं गोस्वामी तुलसीदास ने जिस मंदिर में पहली बार हनुमान जी की जिस मूर्ति का दर्शन किया था, उसकी झांकी भी लगाई जाएगी। इस बार पेंटिंग में अयोध्या में बने राममंदिर की आकर्षक छवि भी दर्शकों को देखने को मिलेगी। संकट मोचन संगीत समारोह का 102वां वर्ष मनाया जा रहा है। इसमें संगीत के साथ ही लगने वाली कला दीर्घा में चित्रकला, मूर्तिकला, फोटोग्राफी को शामिल किया जा रहा है। मंदिर परिसर में 16 से 21 अप्रैल तक जाने माने कलाकार हनुमत दरबार में गायन, वादन से हाजिरी लगाएंगे। इस बीच मंदिर परिसर में कला दीर्घा बनाने का काम भी शुरू हो गया है। इस दीर्घा में स्थानीय कलाकारों के साथ ही देश-विदेश के कलाकारों की कला भी देखने को मिलेगी। प्रो. विजयनाथ मिश्रा ने बताया कि गोस्वामी तुलसीदास ने पहली बार जिस हनुमान जी की प्रतिमा का मंदिर में दर्शन किया था, उसकी झांकी आकर्षण का केंद्र रहेगी। कला प्रदर्शनी के संयोजन में अंतरराष्ट्रीय कलाकार अनिल शर्मा की अहम भूमिका है। प्रो. मिश्रा ने बताया कि गोस्वामी तुलसीदास के हनुमानजी के दर्शन वाली झांकी सोनारपुरा में बनाई जा रही है। कला दीर्घा में हनुमान जी की 100 चित्रों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

पीएनबी ने अपने 131वें स्थापना दिवस पर 34 नए उत्पाद लॉन्च कि

डिजिटल, समावेशी बैंकिंग और ग्राहक सुविधा के प्रति प्रतिबद्धता को किया सुदृढ़

मुंबई। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), सार्वजनिक क्षेत्र में देश के प्रमुख बैंक, ने एक सदी से अधिक के लचीलेपन, विश्वास और ग्राहक-केंद्रित बैंकिंग के प्रतीक के रूप में अपना 131वां स्थापना दिवस मनाया। नई दिल्ली के द्वारका में पीएनबी मुख्यालय में आयोजित समारोह में प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों, बैंक के अधिकारियों, कर्मचारियों और ग्राहकों ने भाग लिया, जो नवाचार, वित्तीय समावेशन और डिजिटल परिवर्तन के प्रति बैंक के अटूट समर्पण को दर्शाता है।

इस अवसर पर एम. नागराजू (डीएफएस सचिव), अशोक चंद्र (पीएनबी एमडी एवं सीईओ), पीएनबी के ईडी कल्याण कुमार, एम. परमशिवम, बिभू प्रसाद महापात्र और डी. सुरेन्द्रन उपस्थित थे। एम. नागराजू, सचिव, वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस), ने नवोन्मेषी उत्पादों की पेशकश के लिए पीएनबी की सराहना की, और वित्तीय समावेशन को सघन बनाने व ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने नागरिकों के बीच साइबर जागरूकता को बढ़ावा देने में बैंक की सक्रिय पहलों की भी सराहना की जिसने सुरक्षित और जिम्मेदार बैंकिंग के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया।

पीएनबी के एमडी और सीईओ अशोक चंद्र ने हितधारकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहाः ₹पीएनबी भारत के विकास में एक आधारशिला रहा है, जो हर क्षेत्र में ऋण प्रदान करता है और पूरे देश में वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करता है। हमारी पहलों ने वंचितों का समर्थन किया है, नागरिकों को सशक्त बनाया है, युवाओं को शिक्षित किया है, किसानों की आय में वृद्धि की है, और उद्यमिता को बढ़ावा दिया है - यह सब 2047 तक एक विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है। कस्टमर फर्स्ट बैंक के रूप में, हम लगातार अपनी शिकायत निवारण प्रणाली को परिष्कृत कर रहे हैं, कॉल सेंटर के संचालन में सुधार कर रहे हैं, और सेवा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए प्रभावी ग्राहक फीडबैक के लिए क्यूआर कोड का लाभ उठा रहे हैं। पीएनबी के 131वें स्थापना दिवस पर 34 नए बैंकिंग उत्पादों और सेवाओं की शुरूआत की गई, जिसमें 12 ग्राहक-केंद्रित जमा योजनाएं और 10 डिजिटल परिवर्तन उत्पाद शामिल हैं।

शुरू किए गए जमा उत्पादों में वेतनभोगी पेशेवरों, महिलाओं, रक्षा कर्मियों, किसानों, अनिवासी भारतीयों (एनआरआई), वरिष्ठ नागरिकों, पेंशनभोगियों, छात्रों और युवाओं के लिए योजनाएं शामिल हैं। इन योजनाओं की प्रमुख विशेषताओं में अनुकूलित खाता संख्या, व्यक्तिगत दुर्घटना और जीवन बीमा, स्वास्थ्य सेवा लाभ और उन्नत डेबिट कार्ड कार्यक्षमताएं शामिल हैं।

कुछ प्रमुख पेशकशों में पीएनबी सैलरी सेविंग्स अकाउंट (नियो, एक्सेल, ऑप्टिमा, इम्पीरियल), पीएनबी वुमेन पावर स्कीम (पर्ल, एमराल्ड, सॉलिटेयर), पीएनबी किसान सेविंग फंड (हरित, समृद्धि), पीएनबी रक्षक प्लस (सशस्त्र बलों और पुलिस कर्मियों के लिए), पीएनबी सम्मान खाता (वरिष्ठ नागरिकों और पेंशनभोगियों के लिए), आदि शामिल हैं।

बैंक ने बेहतर ग्राहक सेवा के लिए क्यूआर कोड-आधारित ग्राहक फीडबैक तंत्र, एक लाइव-चैट सहायक ₹पिहू₹ और नई आंतरिक बैंकिंग कार्यक्षमताओं की भी शुरूआत की है।

स्वर्गीय वैद्य मोरेश्वर वैद्य सर का सप्तम पुण्यस्मरण संपन्न

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व में स्थित श्री नरसिंह के दुबे चॅरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज मे संस्था के संस्थापक अध्यक्ष एवं संस्थापक प्राचार्य, आयुर्वेद से संबंधित अनेक पुस्तकों के लेखक परमपूज्य वैद्यराज स्वर्गीय श्री मोरेश्वर वैद्य सर के सप्तम पुण्यस्मरण हेतू व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूवात दीप प्रज्वलन, धन्वंतरी पूजन एवं वैद्य सर की प्रतिमा को माल्यार्पण कर के हुई। संस्कृत संहिता विभाग प्रमुख डॉक्टर शुभांगी पाटील इन्होने कार्यक्रम की प्रस्तावना दी। डॉक्टर सर्वेश शर्मा इन्होने वक्ता सुप्रसिद्ध आयुर्वेद विशेषज्ञ (मुंबई) वैद्य संतोष देशमुख इनका परिचय दिया। पश्चात "Challenging and Successful cases Treated and Managed by Ayurveda" इस विषय पर उनका व्याख्यान संपन्न हुआ, जिसमे उन्होंने अनेक जीर्ण व्याधियों के आयुर्वेदानुसार चिकित्सा अनुभव उपस्थित सभी के सामने प्रस्तुत किया जिससे सभी वैद्यकीय छात्र, अध्यापक एवं वैद्यों को काफी लाभ मिला। संस्था की विश्वस्त डॉ. ऋजुता ओमप्रकाश दुबे इन्होने वैद्य सर की महानता, विद्वत्ता बताकर इस कॉलेज के निर्माण में उनका योगदान किस तरह से रहा है वो बताया। इस कार्यक्रम मे महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ.हेमलता शेंडे,महाविद्यालय के सभी अध्यापक, विद्यार्थी उपस्थित थे। संहिता विभाग की व्याख्याता डॉक्टर प्रीती माने इन्होने आभार प्रदर्शन किया। अंत मे अल्पोपहार के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

वक्फ कानून का विरोध: मुर्शिदाबाद में फिर भड़की हिंसा, 2 लोगों की मौत, अब तक 118 लोगों की गिरफ्तारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ जारी प्रदर्शन से कथित रूप से जुड़ी हिंसक झड़पों में दो लोगों की मौत हो गई। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि हिंसा प्रभावित शमशेरगंज क्षेत्र में जाफराबाद स्थित एक घर में पिता और पुत्र के शव बरामद किए गए जिनके शरीर पर चाकू से वार के निशान थे। अधिकारी ने पुष्टि की कि दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया गया है। उन्होंने बताया, दोनों अपने घर के अंदर अचेत अवस्था में जमीन पर पड़े मिले और उन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया गया।"

पीड़ितों के परिवार ने आरोप लगाया कि अपराधियों ने उनके घर में लूटपाट की और दोनों पर चाकू से प्रहार किया। अधिकारी ने कहा, जांच जारी है और हम हत्याओं में

शामिल लोगों की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। हमने परिवार के अन्य सदस्यों और स्थानीय निवासियों से पूछताछ की है।" एक अलग घटना में, शमशेरगंज खंड के धुलियान में एक अन्य व्यक्ति को गोली मार दी गई।

अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रभावित क्षेत्रों में और उसके आसपास गश्त बढ़ा दी और शांति मार्च निकाला। जिला प्रशासन के सूत्रों ने बताया कि एक बीड़ी कारखाने के कर्मचारी को उस वक्त गोली मार दी गई जब वह काम पर जा रहा था। अधिकारी ने पुष्टि की, उसकी हालत स्थिर है और उसका इलाज मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में किया जा रहा है, जहां उसे जंगीपुर अस्पताल से लाया गया था।"

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) जावेद शमीम ने बताया कि शुक्रवार को मुर्शिदाबाद जिले के विभिन्न हिस्सों में झड़पों के दौरान 15 पुलिसकर्मी घायल हो गए। शमीम ने कहा कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान भड़की हिंसा के सिलसिले में पुलिस अब तक 118 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। उन्होंने कहा कि इनकी संख्या और बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि हिंसा को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने चार राउंड गोलीबारी की।

भूमि और रियलमी ने 80,000 से अधिक युवाओं को सशक्त बनाया

पटना। रियलमी और भूमि ने शैक्षिक और सामुदायिक विकास के कार्यक्रमों का संचालन करने के लिए साझेदारी की है। जहाँ भूमि भारत के अग्रणी नॉन-प्रॉफिट संगठनों में से एक है, जो युवाओं के सशक्तीकरण और सामाजिक परिवर्तन लाने पर केंद्रित है, वहीं रियलमी भारतीय युवाओं का सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड है। इस गठबंधन द्वारा रियलमी का उद्देश्य युवाओं को सशक्त बनाना और उन्हें उज्जवल भविष्य के लिए सही कौशल एवं संसाधनों के साथ अवसर भी प्रदान करना है। इस साझेदारी द्वारा भूमि का उद्देश्य भूमि फैलोशिप, सोशल एंड इमोशनल लर्निंग (एसईएल) प्रोग्राम, स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, इग्नाइट शेल्टर्स और भूमि क्लब्स को मजबूत बनाना है।

हनुमान जयंती पर मन्दिरों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। हनुमान जयंती पर संकट मोचन बजरंग बली श्रद्धा पूर्वक पूजे गए। भोर से मंदिरों में पूजन-अर्चन के लिए भक्तों की भीड़ रही। जिले सभी हनुमान मंदिरों को भव्य तरीके से सजाया गया था। कुछ मंदिर पर भजन-कीर्तन और हनुमत पाठ का आयोजन किया गया। नगर के रासमंडल स्थित बडे हनुमान मंदिर, कोतवाली स्थित हनुमाम मंदिर, बीआरपी इंटर कॉलेज, टीडी इंटर कॉलेज गेट पर स्थित हनुमान मंदिर का भव्य श्रृंगार किया था। सुबह से दर्शन पूजन के लिए भक्तों की भीड़ रही। सिकरारा के अजोशी स्थित पावन महावीर धाम पर अपने आराध्य देव अंजनी लला के दर्शन के लिए भोर से ही भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।महावीर का श्रृंगार कर आरती उतारी गई। मंगला आरती में शामिल होकर भक्त निहाल हो गए। जय हनुमान, संकट मोचन कृपा निधान के जयकारे व घंटा-घड़ियाल के शंखनाद से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो गया। रात में ही पूरे धाम को पुष्प मालाओं तथा बिजली के झालरों से आकर्षक ढंग से सजा दिया गया था। धाम का मुख्य कपाट भोर में चार बजे ही खोल दिया गया था। भक्त अपनी मनोकामना पूरी होने पर कड़ाही चढ़ाकर धाम में घंटा बांधा। जगह-जगह भक्त हनुमान चालीसा, बजरंग बाण, हनुमान बाहुक व सुंदर कांड का पाठ करते रहे। गोस्वामी जी ने मानस में लिखा है।सुमिरि पवन सुत पवन नामू अपने बस करि राखेउ रामू। यदि राम को प्रसन्न रखना है तो बजरंग बली की उपासना करें। यह इस कलियुग में अष्ट सिद्धि नौ निधियों को देने वाले एक मात्र देवता हैं। शेरवां स्थित मारुत नंदन मंदिर, राय बरेली जौनपुर मार्ग स्थित गुदरीगंज मुरकटा महावीर तथा दुदौली स्थित संकट मोचन धाम पर भक्तों की भीड़ रही। हनुमान मंदिरों में भक्त सुबह से ही दर्शन-पूजन कर रहे हैं।आज के दिन एक धार्मिक मान्यता भी है कि संकट मोचन हनुमान के दर्शन-पूजन से जीवन की तमाम विपत्तियां खत्म होती हैं और पवन पुत्र का आशीर्वाद प्राप्त होता है।आज के दिन हनुमान मंदिरों में दर्शन-पूजन करने से हनुमान जी की विशेष कृपा प्राप्त होती है। आज कुछ खास योग भी बन रहे हैं और ज्योतिषीय गणनाओं के मुताबिक इस योग में पूजा करने से और ज्यादा लाभ मिलेगा और समस्याएं खत्म होंगी, इस वजह से भी आज मंदिरों में ज्यादा भीड़ है।

डॉ हेमंत सांवरा ने पालघर में मंजूर करवाया ESIC हॉस्पिटल

पालघर। महाराष्ट्र सरकार में राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले की अध्यक्षता में डॉ हेमंत सावरा खासदार पालघर के साथ सचिवालय में बैठक हुई। जिसमे 1 रुपये के मामूली शुल्क पर भूमि स्वीकृत ESIC हॉस्पिटल के लिए की गई। सांसद डॉ. हेमंत सावरा और प्रतिनिधी मंडळ के प्रयास से मंजूरी मीली है। अब पालघर को ESIC हॉस्पिटल मिलेगा। जिसमें 150 बेड की सुविधा होगी और अपना पहला ईएसआईसी अस्पताल में मजदूर वर्ग और आम जनता के लिए सुविधा उपलब्ध की जाएगी।

कंपोजिट विद्यालय कयार में स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय कयार में स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश गिरीश चंद्र यादव, विशिष्ट अतिथि आईएएस सुशील कुमार सिंह एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा. गोरखनाथ पटेल ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।छात्राओं ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत का प्रस्तुतीकरण कर सबका मन मोह लिया। खंड शिक्षा अधिकारी शाहगंज वसंत शुक्ल द्वारा स्वागत भाषण किया गया। राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कक्षा एक से आठ तक के छात्र-छात्राओं को निशुल्क पुस्तकें वितरित की। कार्यक्रम में स्कूल चलो अभियान रैली को राज्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बच्चे आधी रोटी खाएंगे, स्कूल पढ़ने जायेंगे जैसे स्लोगन बोलते हुए अभिभावकों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर राज्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरकार ने सरकारी स्कूलों की व्यवस्था को बेहतर बनाया है और सरकारी स्कूल शिक्षा के प्रत्येक क्षेत्रों में नए आयाम गढ़ रहे है ।इसलिए अपने बच्चों का सरकारी स्कूलों में नामांकन कराए,अभिभावकों को संबोधित करते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल ने कहा कि शिक्षा वह वट वृक्ष है, जिसकी छाया में हम पुष्पित एवं पल्लवित होते हैं। शिक्षा से ही संपूर्ण विकास संभव है ।आईएएस सुशील कुमार सिंह ने अभिभावकों को बताया कि वे भी सरकारी स्कूल से पढ़े हुए है और आज सरकारी स्कूलों में सबसे बेस्ट टीचर शिक्षण कार्य कर रहे है। अपने बच्चों को बेहतर शिक्षकों से ही तालीम दिलवाए। कार्यक्रम में राज्यस्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीतने वाले जिला व्यायाम शिक्षक रविचंद्र यादव एवं ज्योति श्रीवास्तव को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाध्यापक पंकज सिंह द्वारा समस्त अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में प्राथमिक शिक्षक संघ जिला अध्यक्ष अरविंद शुक्ला, जिला मंत्री रवि चंद्र यादव, लाल साहब यादव, रामदुलार सहित छात्र छात्राएं शिक्षकगण उपस्थित रहे।